website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 24 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 04 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

Grok AI पर सख्ती: X को केंद्र सरकार का नोटिस, 72 घंटे में रिपोर्ट तलब

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' को कड़ा नोटिस जारी करते हुए उसके जनरेटिव एआई चैटबॉट Grok से जुड़े अश्लील कंटेंट को तुरंत हटाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सरकार ने कंपनी से इस पूरे मामले पर 72 घंटों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी है। बीते कुछ समय से Grok AI के दुरुपयोग के मामले सामने आ रहे थे, जहां कुछ यूजर्स इसका इस्तेमाल अश्लील और आपत्तिजनक कंटेंट तैयार करने के लिए कर रहे थे। खासतौर पर महिलाओं की तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ कर उनके कपड़े हटाने या उन्हें उत्तेजक रूप में दिखाने जैसे निर्देश दिए जा रहे थे। इन मामलों में कई बार Grok ने बिना किसी अनुमति के फोटो में बदलाव कर दिया, जिससे अश्लील रूपांतरण वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर फैल गईं। यह न केवल प्लेटफॉर्म की अपनी नीतियों का उल्लंघन है, बल्कि भारतीय कानूनों के भी खिलाफ है। इसी बढ़ते ट्रेंड को देखते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने X को अपनी Grok AI तकनीक की तुरंत समीक्षा करने का आदेश दिया है। सरकार ने साफ किया है कि अगर प्लेटफॉर्म ऐसे कंटेंट को रोकने और हटाने में नाकाम रहता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। गौरतलब है कि 2025 के आखिरी हफ्तों में भी सरकार ने एक एडवाइजरी जारी कर सोशल मीडिया कंपनियों को अश्लील और अवैध कंटेंट हटाने के नियमों का सख्ती से पालन करने को कहा था।

BCCI के फैसले पर देवकीनंदन ठाकुर का हमला: बोले— 'मिस्टर KKR हिंदुओं के साथ नहीं है'

नई दिल्ली । आईपीएल 2026 से पहले बीसीसीआई द्वारा कोलकाता नाइट राइडर्स को बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को टीम से रिलीज करने के निर्देश दिए जाने पर कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने इसे सही कदम बताते हुए बीसीसीआई का धन्यवाद किया। देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि उन्होंने पहले ही बयान दिया था कि किसी भी बांग्लादेशी क्रिकेटर को भारत के आईपीएल में खेलने का मौका नहीं मिलना चाहिए और भारत का पैसा बाहर नहीं जाना चाहिए। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचारों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां मंदिर जलाए जा रहे हैं, बच्चों और महिलाओं के खिलाफ गंभीर अपराध हो रहे हैं, लेकिन इस पर कोई खुलकर नहीं बोल रहा। ठाकुर ने कहा कि बीसीसीआई ने बहुसंख्यक हिंदुओं के दर्द को समझते हुए यह फैसला लिया है, जो स्वागत योग्य है। देवकीनंदन ठाकुर ने यह भी आरोप लगाया कि इतना विवाद होने के बावजूद केकेआर की ओर से कोई स्पष्ट बयान नहीं आया है। उन्होंने कहा कि इससे यह संदेश जाता है कि "मिस्टर केकेआर" हिंदुओं के साथ नहीं हैं। माना जा रहा है कि उनका इशारा केकेआर के सह-मालिक शाहरुख खान की ओर था, हालांकि उन्होंने नाम नहीं लिया। गौरतलब है कि केकेआर ने हाल ही में हुई नीलामी में मुस्तफिजुर रहमान को 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था, जिनका आधार मूल्य 2 करोड़ रुपये था।

प्रयागराज जंक्शन पर आरपीएफ की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की तत्परता से शुक्रवार को एक बड़ा हादसा टल गया। प्लेटफॉर्म संख्या दो पर चलती ट्रेन में चढ़ते समय एक युवक फिसलकर ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच गिर गया, लेकिन मौके पर मौजूद आरपीएफ उपनिरीक्षक ने साहस दिखाते हुए उसकी जान बचा ली। यह घटना शनिवार सुबह करीब 08:24 बजे की बताई जा रही है। आरपीएफ के अनुसार कानपुर जिले के ग्राम टिकरा पैगम्बरपुर निवासी 25 वर्षीय विकेश पुत्र रामचंद्र गाड़ी संख्या 63237 में चढ़ने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह खतरनाक तरीके से गैप में जा गिरा। स्थिति को भांपते हुए रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज के उपनिरीक्षक कार्तिक मिश्रा ने बिना समय गंवाए युवक को बाहर की ओर खींच लिया। उनकी इस त्वरित कार्रवाई से युवक की जान बच गई। घटना के बाद कुछ देर के लिए स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल रहा, लेकिन आरपीएफ ने हालात को जल्द नियंत्रित कर लिया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई। प्राथमिक जांच में युवक को सुरक्षित बताया गया है। युवक के परिजनों ने आरपीएफ स्टाफ का आभार जताया, वहीं रेलवे प्रशासन ने उपनिरीक्षक कार्तिक मिश्रा की बहादुरी और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की है।

प्रयागराज में माघ मेला-2026 का भव्य शुभारंभ, पहले स्नान पर्व पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

यूपी। प्रयागराज में शुक्रवार को माघ मेला-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। तड़के सुबह से ही संगम तट की ओर श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया और गंगा, यमुना व अदृश्य सरस्वती के पावन संगम में आस्था की डुबकी लगाकर लोगों ने पुण्य लाभ अर्जित किया। पहले ही दिन मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली, लेकिन प्रशासन की मुस्तैदी के चलते स्नान पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। माघ मेला 3 जनवरी से शुरू होकर 15 फरवरी 2026 को महाशिवरात्रि तक चलेगा। इस दौरान पौष पूर्णिमा, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी, माघ पूर्णिमा और महाशिवरात्रि जैसे प्रमुख स्नान पर्व होंगे। पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने पहले से ही व्यापक तैयारियां कर रखी थीं, जिनका असर जमीनी स्तर पर साफ नजर आया। घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल और चिकित्सा सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई थी। माघ मेले की सुरक्षा व्यवस्था इस बार अभूतपूर्व बताई जा रही है। पूरे मेला क्षेत्र में 400 से अधिक एआई-इनेबल्ड सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं,

जिनके जरिए 24 घंटे निगरानी की जा रही है। इसके अलावा ड्रोन के माध्यम से भीड़ और यातायात की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। जल सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के प्रशिक्षित गोताखोर संगम और आसपास के घाटों पर तैनात किए गए हैं। किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस), बम डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीएस) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को भी सक्रिय रखा गया है। मेला क्षेत्र को कई सेक्टरों में बांटकर पुलिस बल की तैनाती की गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए अलग से ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर अजय पाल शर्मा ने बताया कि माघ मेला 2026 के पहले बड़े स्नान पर्व को लेकर सुरक्षा और ट्रैफिक के विशेष इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि ड्रोन, एआई-इनेबल्ड कैमरे और आधुनिक निगरानी सिस्टम के जरिए पूरे क्षेत्र पर नजर रखी जा रही है। ट्रैफिक और सुरक्षा टीमें जमीन पर तैनात हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने यह भी बताया कि सभी पुलिसकर्मियों को एक महीने से अधिक समय तक विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। भीड़ प्रबंधन, आपदा प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा से जुड़ी तमाम ट्रेनिंग पहले ही पूरी कर ली गई थी। इसका नतीजा यह रहा कि भारी भीड़ के बावजूद श्रद्धालुओं ने सहज और सुरक्षित तरीके से स्नान किया और शांतिपूर्वक अपने गंतव्य की ओर लौटे। प्रशासन का कहना है कि आने वाले सभी स्नान पर्वों को भी इसी तरह सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जाएगा।

प्रधानमंत्री 4 जनवरी को वाराणसी में 72वें राष्ट्रीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन करेंगे

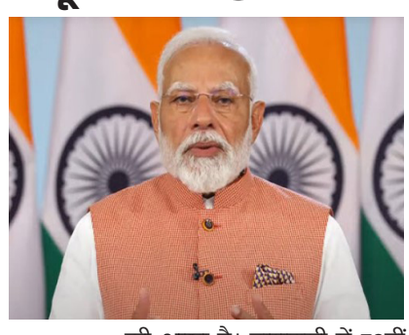

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 4 जनवरी, 2026 को दोपहर 12 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 72वें राष्ट्रीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन समारोह डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम, वाराणसी में आयोजित किया जाएगा। 4 से 11 जनवरी तक आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में पूरे भारत से विभिन्न राज्यों और संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाली 58 टीमों के हिस्से के रूप में 1,000 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। टूर्नामेंट में भारतीय वॉलीबॉल में प्रतिस्पर्धा, खेल भावना और प्रतिभा के उच्च मानकों का प्रदर्शन होने की आशा है। वाराणसी में 72वीं राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन शहर में खेल अवसंरचना को सुदृढ़ करने और एथलेटिक के विकास को बढ़ावा देने को दर्शाता है। यह आयोजन प्रमुख राष्ट्रीय आयोजनों के केंद्र के रूप में वाराणसी की पहचान को और सशक्त करता है तथा सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों की मेजबानी में शहर की बढ़ती भूमिका के अनुरूप है।

इंदौर: दूषित पानी से मौत के मामले में कार्रवाई, बदले गए नगर निगम कमिश्नर, क्षितिज सिंघल को सौंपी जिम्मेदारी

मध्य प्रदेश। मध्य प्रदेश के इंदौर में दूषित पानी पीने से कई लोगों की मौत के बाद प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। इस गंभीर घटना ने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया है और नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हुए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्यपाल के निर्देश पर मुख्य सचिव ने नगर निगम आयुक्त को बदलने का आदेश जारी किया है। इसके तहत क्षितिज सिंघल को नया नगर निगम कमिश्नर नियुक्त किया गया है। इससे पहले इस पद पर तैनात दिलीप कुमार यादव को हटाया गया है और अब प्रशासनिक जिम्मेदारी क्षितिज सिंघल को सौंपी गई है।

सीएम ने दिए थे दिलीप कुमार को हटाने के आदेश

दूषित पानी से हुई मौतों के मामले में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कड़ा रुख अपनाते हुए नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव को हटाने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी जानकारी साझा की थी। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी पीने से कई लोगों की मौत की घटना ने प्रशासन को झकझोर दिया, जिसके बाद सरकार ने यह सख्त कदम उठाया।

स्थानीय लोगों ने किया 15 मौतों का दावा

भागीरथपुरा क्षेत्र के स्थानीय निवासियों ने दूषित पानी के कारण 15 लोगों की मौत होने का दावा किया है, हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने अभी तक इस आंकड़े की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव

लगातार सक्रिय हैं। उन्होंने अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की और साफ कहा कि लापरवाही बरतने वाले किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा।

कई मरीज अस्पताल में भर्ती

स्थिति रिपोर्ट के अनुसार सोमवार (29 दिसंबर) से डायरिया के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। पीटीआई भाषा की रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार (2 जनवरी) तक करीब 294 मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि 93 मरीजों को उपचार के बाद छुट्टी दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस घटना के बाद 16 नगर निगमों के मेयर, अध्यक्ष और कमिश्नर के साथ वर्चुअल समीक्षा बैठक की और संबंधित अधिकारियों को सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।

गोडसे ने गांधी जी को एक बार मारा था, लेकिन... केंद्र पर क्यों भड़के कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया

कर्नाटक। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केंद्र सरकार की जी राम जी परियोजना को लेकर कड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को खत्म कर महात्मा गांधी की दूसरी हत्या कर दी है। उन्होंने कहा कि इस फैसले के खिलाफ कांग्रेस पार्टी देशभर में विरोध प्रदर्शन करने जा रही है।

इसी क्रम में शनिवार को बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, "महात्मा गांधी की पहली हत्या गोडसे ने की थी, लेकिन अब यह सरकार उनकी दूसरी हत्या कर रही है। सरकार को इतना प्रतिशोध नहीं लेना

चाहिए।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में संविधान के निर्देशक सिद्धांतों के तहत लागू की गई थी। इसका उद्देश्य गरीबों, छोटे किसानों और ग्रामीण मजदूरों को काम, शिक्षा और सम्मान के अधिकार की सुरक्षा देना था।

सिद्धारमैया ने कहा, "करीब बीस साल पहले मनमोहन सिंह ने काम करने का अधिकार, शिक्षा का अधिकार जैसे कई महत्वपूर्ण अधिकार लागू किए थे, ताकि आम जनता, गरीब और छोटे किसान लाभान्वित हो सकें। अब केंद्र सरकार ने नया कानून लाकर इसे 'विकसित भारत ग्राम योजना' से बदल दिया है। यह फैसला राज्यों से बिना सलाह लिए लिया गया, जो तानाशाही रवैये को दर्शाता है।"

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नए कानून को संसद में जल्दबाजी में पेश कर पारित किया गया। 17 दिसंबर को विधेयक लाया गया और अगले ही दिन बिना पर्याप्त चर्चा और संघीय परामर्श के इसे मंजूरी दे दी गई। सिद्धारमैया के मुताबिक, इस कदम से ग्राम सभाओं और पंचायतों की वैधानिक शक्तियां छीनी जा रही हैं और सत्ता का केंद्रीकरण दिल्ली में किया जा रहा है, जिससे विकेंद्रीकृत शासन व्यवस्था कमजोर हो रही है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर इंडिगो फ्लाइट की देरी से हंगामा, यात्रियों में भारी नाराज़गी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआई) पर शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब दिल्ली से पूर्णिया जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट एक बार फिर देरी का शिकार हो गई। लगातार दूसरे दिन फ्लाइट प्रभावित होने से यात्रियों का गुस्सा फूट पड़ा और बोर्डिंग काउंटर पर हंगामा देखने को मिला। यात्रियों के मुताबिक, इंडिगो की फ्लाइट 6ई 9076 शुक्रवार को पहले ही रद्द कर दी गई थी। इसके बाद शनिवार को भी फ्लाइट समय पर नहीं उड़ सकी, जिससे यात्रियों को मजबूरन अपने टिकट दोबारा बुक करने पड़े। कई यात्रियों ने बताया कि एक दिन पहले फ्लाइट कैंसिल होने के बाद उन्होंने यात्रा की योजना बदली थी, लेकिन शनिवार को फिर वही स्थिति बनने से उन्हें भारी परेशानी उठानी पड़ी। फ्लाइट में देरी को लेकर यात्रियों ने एयरलाइन स्टाफ से सवाल-जवाब किया। शुरुआत में इंडिगो की ओर से खराब मौसम, कम विजिबिलिटी

और कोहरे को देरी की वजह बताया गया। हालांकि, कुछ यात्रियों का आरोप है कि बाद में स्टाफ ने यह भी कहा कि उड़ान के लिए पायलट उपलब्ध नहीं था, जिससे नाराज़गी और बढ़ गई। इससे पहले दिन में इंडिगो ने एडवाइजरी जारी कर यात्रियों को चेतावनी दी थी कि कई एयरपोर्ट पर कम विजिबिलिटी और कोहरे के कारण फ्लाइट्स में देरी और कैंसिलेशन हो सकता है। यह घटना ऐसे समय पर सामने आई है, जब इंडिगो पहले से ही बड़े पैमाने पर ऑपरेशनल और मौसम संबंधी समस्याओं से जूझ रही है। गौरतलब है कि 29 दिसंबर 2024 को इंडिगो ने खराब मौसम और ऑपरेशनल कारणों से अपने नेटवर्क में 118 फ्लाइट्स रद्द की थीं। इनमें से कुछ फ्लाइट्स तकनीकी और ऑपरेशनल दिक्कतों के कारण, जबकि अधिकांश खराब मौसम की वजह से प्रभावित हुई थीं। इससे पहले दिसंबर की शुरुआत में पायलटों के ड्यूटी और आराम समय से जुड़े सख्त नियम लागू होने के बाद एक ही दिन में करीब 1,600 फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ी थीं, जिससे देशभर के एयरपोर्ट पर लाखों यात्री फंस गए थे। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने 10 दिसंबर से 10 फरवरी तक की अवधि को आधिकारिक कोहरे का मौसम घोषित किया है। इस दौरान कम विजिबिलिटी के चलते फ्लाइट ऑपरेशन प्रभावित होना आम बात है। बावजूद इसके, लगातार हो रही देरी और कैंसिलेशन से यात्रियों में एयरलाइन के प्रति नाराज़गी बढ़ती जा रही है।

चुनाव से पहले TMC को झटका, राज्यसभा सांसद मौसम नूर कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस (TMC) को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। टीएमसी की राज्यसभा सांसद मौसम नूर ने शनिवार को कांग्रेस का दामन थाम लिया। खास बात यह है कि मौसम नूर मूल रूप से कांग्रेस से ही टीएमसी में गई थीं और अब उन्होंने फिर से कांग्रेस में वापसी कर ली है। उनके इस कदम से बंगाल की राजनीति में नए समीकरण बनने की चर्चा तेज हो गई है। मौसम नूर मालदा के प्रभावशाली खान चौधरी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। वह दिवंगत वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री एबीए गनी खान चौधरी की बेटी हैं। ऐसे में उनकी घर वापसी से कांग्रेस को संगठनात्मक मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है, खासकर मालदा और आसपास के मुस्लिम बहुल इलाकों में पार्टी का आधार मजबूत हो सकता है। मौसम नूर कांग्रेस मुख्यालय में जयराम रमेश, कांग्रेस महासचिव और पश्चिम बंगाल प्रभारी गुलाम अहमद मीर तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुईं। उनका राज्यसभा कार्यकाल इसी साल अप्रैल में समाप्त हो रहा है और माना जा रहा है कि वह आगामी विधानसभा चुनाव

में मालदा से चुनाव लड़ सकती हैं। मौसम नूर 2009 से 2019 तक कांग्रेस के टिकट पर दो बार मालदा से लोकसभा सांसद रह चुकी हैं। वर्ष 2019 में उन्होंने कांग्रेस छोड़कर तृणमूल कांग्रेस जॉइन की थी और टीएमसी के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद 2020 में तृणमूल कांग्रेस ने उन्हें राज्यसभा भेजा था। कांग्रेस में वापसी के बाद मौसम नूर ने कहा कि गनी खान चौधरी का परिवार अब कांग्रेस के लिए काम करेगा और वह पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाना चाहती हैं। जयराम रमेश ने कहा कि एबीए गनी खान चौधरी को इंदिरा गांधी भी बेहद सम्मान देती थीं। वहीं गुलाम अहमद मीर ने दावा किया कि बंगाल में कांग्रेस अभी जिंदा है और पार्टी एक बार फिर मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी।

वेनेजुएला की राजधानी काराकास में सिलसिलेवार धमाके, दहशत का माहौल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच वेनेजुएला की राजधानी काराकास में शनिवार सुबह एक के बाद एक कई तेज धमाकों की आवाज सुनाई दी। इन धमाकों के कारण शहर में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। फिलहाल धमाकों के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में राजधानी के कई इलाकों में धुएं के गुबार उठते देखे जा सकते हैं, जिससे लोगों में डर और चिंता बढ़ गई है।

धमाकों के बाद काराकास में टेलीकम सेवा प्रभावित, अमेरिका की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, धमाकों के बाद काराकास में टेलीकम्युनिकेशन सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित हुई हैं। कुछ इलाकों में मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवा में रुकावट की खबरें सामने आई हैं। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम को लेकर अमेरिका की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, जिससे अटकलों का दौर और तेज हो गया है।

ट्रंप की ग्राउंड ऑपरेशन चेतावनियों के बाद वेनेजुएला में धमाकों की आवाजें, तनाव और अटकलें बढ़ीं

गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले भी कई बार वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने की रणनीति के तहत ग्राउंड ऑपरेशन की संभावना की चेतावनी दे चुके हैं। ऐसे बयानों के बाद अब राजधानी काराकास में धमाकों की आवाजें सुनाई देना दोनों देशों के बीच तनाव को और बढ़ा रहा है।

अमेरिका ने वेनेजुएला पर प्रतिबंध बढ़ाए, सैन्य मौजूदगी मजबूत की और कैरिबियन में ड्रग ट्रैफिकिंग के आरोप लगाए

दबाव बनाने के लिए अमेरिका ने वेनेजुएला पर प्रतिबंध और कड़े किए हैं। साथ ही क्षेत्र में अमेरिकी

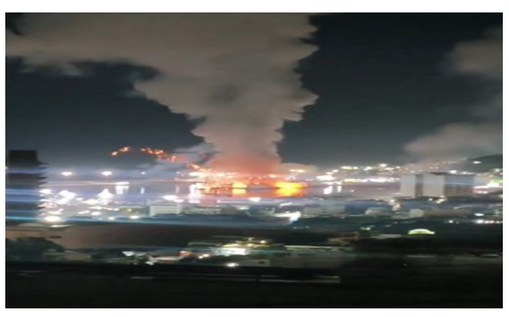

सेना की मौजूदगी बढ़ाई गई है। अमेरिका ने कैरिबियन और पैसिफिक क्षेत्रों में ड्रग ट्रैफिकिंग को लेकर भी वेनेजुएला पर आरोप लगाए हैं। हाल के दिनों में कैरिबियन सागर में अमेरिकी सैन्य गतिविधियों की जानकारी भी सामने आई है।

अमेरिका ने ईरानी ड्रोन-मिसाइल नेटवर्क से जुड़े समर्थन के आरोप में वेनेजुएला की कंपनी और अन्य संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए

अमेरिकी राज्य विभाग और वित्त विभाग ने वेनेजुएला की एक कंपनी पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। आरोप है कि यह कंपनी ईरान द्वारा डिजाइन किए गए लड़ाकू ड्रोन की बिक्री में शामिल थी। इसके अलावा अन्य संस्थाओं और व्यक्तियों पर भी ईरान के ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल नेटवर्क का समर्थन करने के आरोप लगाए गए हैं।

अमेरिका ने ईरान के यूएवी और मिसाइल कार्यक्रम पर रोक लगाने की बात दोहराई

राज्य विभाग के उपप्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि प्रतिबंधित संस्थाएं यह दिखाती हैं कि ईरान संयुक्त राष्ट्र की पाबंदियों का उल्लंघन करते हुए अपने यूएवी और मिसाइल कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि टूंप प्रशासन ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए सख्त कदम उठाता रहेगा।

अमेरिका ने ईरान के सैन्य नेटवर्क समर्थकों पर कार्रवाई का संकेत दिया

आतंकवाद और वित्तीय खुफिया मामलों के अवर सचिव जॉन के हर्ले ने कहा कि अमेरिका उन लोगों की वित्तीय पहुंच रोकने के लिए तेजी से कार्रवाई करेगा, जो ईरान के सैन्य-औद्योगिक ढांचे की मदद कर रहे हैं। अमेरिकी वित्त विभाग का कहना है कि ईरान का यूएवी और मिसाइल कार्यक्रम क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा है।

दिसंबर 2025 में सीआईए ने वेनेजुएला तट पर ड्रग्स स्टोरेज से जुड़े डॉक पर ड्रोन हमला किया

इससे पहले दिसंबर 2025 में सीआईए द्वारा वेनेजुएला के तट पर स्थित एक डॉक फैसिलिटी पर ड्रोन हमला किए जाने की जानकारी सामने आई थी। सूत्रों के मुताबिक, इस डॉक का इस्तेमाल एक गैंग द्वारा ड्रग्स स्टोर करने और शिपमेंट के लिए किया जा रहा था।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

खुद को संभाले अमेरिका, भारत को नसीहत नहीं दे

दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद जेएनयू के पूर्व छात्र और एक्टिविस्ट उमर खालिद को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी के पत्र के बाद अब अमेरिका के आठ सांसदों ने भारत सरकार से उमर खालिद को निष्पक्ष ट्रायल देने और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप कार्रवाई करने की अपील की है। यह पत्र अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा को भेजा गया है, जिसका नेतृत्व हाउस रूल्स कमेटी के रैंकिंग मेंबर और टॉम लैंटोस ह्यमन राइट्स कमीशन के सह-अध्यक्ष जिम मैकगवर्न ने किया है। अमेरिकी सांसदों का कहना है कि उमर खालिद को यूएपीए के तहत पांच साल से बिना जमानत हिरासत में रखा गया है, जो अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों के खिलाफ है। उन्होंने उसकी तत्काल रिहाई और निष्पक्ष सुनवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि दिसंबर की शुरुआत में जिम मैकगवर्न और अन्य सांसदों ने उमर खालिद के माता-पिता से भी मुलाकात की थी, जिसके बाद यह पत्र लिखा गया। इस पूरे घटनाक्रम में अमेरिका की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उमर खालिद का मामला कोई साधारण अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का विषय नहीं है, बल्कि उस पर फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों से पहले भड़काऊ भाषणों के जरिए सांप्रदायिक हिंसा फैलाने के आरोप हैं। यह मामला भारतीय कानून के तहत जांच और न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में है। ऐसे में किसी विदेशी देश का भारत के आंतरिक और कानूनी मामलों में दखल देना न केवल अनुचित है, बल्कि भारत की संप्रभुता पर भी सवाल उठाता है। अमेरिकी सांसदों ने इस केस को धार्मिक स्वतंत्रता से जोड़ने की कोशिश की है, जो तथ्यों से परे है। भारत में कानून किसी धर्म या विचारधारा के आधार पर नहीं, बल्कि सबूतों और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर चलता है। भारत का संविधान स्वतंत्र न्यायपालिका की गारंटी देता है और किसी भी आरोपी को अपना पक्ष रखने का पूरा अधिकार देता है। उमर खालिद की नियमित जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, और हाल ही में दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने उसे बहन की शादी में शामिल होने के लिए 16 से 29 दिसंबर तक अंतरिम जमानत भी दी थी। यह अपने आप में दिखाता है कि भारतीय न्याय प्रणाली न तो क्रूर है और न ही पक्षपाती। अगर कानून और मानवाधिकारों की बात करनी ही है, तो अमेरिका को पहले अपने घर की हालत पर नजर डालनी चाहिए। नस्लवाद, पुलिस हिंसा, बंदूक संस्कृति, स्कूल शूटिंग, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और अल्पसंख्यकों के अधिकार—ये सभी मुद्दे आज भी अमेरिका में गंभीर चुनौती बने हुए हैं। वहां आए दिन निर्दोष लोग गोलीबारी का शिकार होते हैं, लेकिन उस पर वही अमेरिका दुनिया को मानवाधिकारों का पाठ पढ़ाने निकल पड़ता है। भारत का कानूनी ढांचा अमेरिका से अलग है। भारत में कॉमन लॉ, प्रथागत कानून और धार्मिक कानूनों का संतुलित मिश्रण है, जबकि अमेरिका मुख्य रूप से अंग्रेजी कॉमन लॉ पर आधारित है। भारत एक संप्रभु लोकतांत्रिक देश है, जो अपने कानून और न्यायिक व्यवस्था के तहत फैसले लेने में सक्षम है। उसे किसी बाहरी नसीहत की जरूरत नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेताओं के फैसलों से वैसे भी अमेरिका की वैश्विक छवि को गहरा नुकसान पहुंचा है।

स्वच्छता की चादर से ढकी गंदगी

दूषित पेयजल और उजागर होती व्यवस्था की बदबू

इंदौर, जो वर्षों से देश के सबसे स्वच्छ शहरों की सूची में अव्वल रहा है, आज एक ऐसे काले सच के सामने खड़ा है जिसने उसकी चमकदार छवि को गहरे दाग़ों से भर दिया है। भागीरथपुरा इलाके में दूषित पेयजल के कारण हुई 15 लोगों की मौत और करीब एक हज़ार लोगों का बीमार पड़ना सिर्फ एक हादसा नहीं है, बल्कि यह हमारी प्रशासनिक लापरवाही, झूठे तमगों और संवेदनहीन शासन व्यवस्था का जीता-जागता सबूत है। यह सवाल अब केवल इंदौर का नहीं रहा—यह सवाल है कि क्या हम सचमुच अपने नागरिकों को सबसे बुनियादी ज़रूरत, यानी शुद्ध पेयजल, उपलब्ध करा पाने में सक्षम हैं?

नर्मदा जल में सीवर का ज़हर: डेढ़ साल की अनदेखी

भागीरथपुरा बस्ती में नर्मदा नदी से पाइपलाइन के ज़रिये आने वाला पानी वर्षों से लोगों की प्यास बुझा रहा था। लोगों को पूरा भरोसा था कि नगर निगम द्वारा सप्लाई किया गया पानी शुद्धता के तमाम मानकों पर खरा उतरेगा। लेकिन हकीकत यह थी कि ज़मीन के नीचे बह रहा सीवर का मल, फूटी हुई पाइपलाइन के ज़रिये नर्मदा के पानी में लगातार घुल रहा था। डेढ़ साल तक यह ज़हर लोगों के शरीर में जाता रहा। लोग इसे पीते रहे, खाना बनाते रहे, बच्चों को पिलाते रहे। जब कभी पानी में बदबू या गंदगी महसूस हुई तो शिकायतें भी की गईं, लेकिन नगर निगम और जिला प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। प्रशासन तब जागा, जब 15 लाशें गिर चुकी थीं और करीब एक हज़ार लोग अस्पतालों में भर्ती हो चुके थे। तब जाकर खुदाई हुई और सच्चाई सामने आई—सीवर और पेयजल की लाइनें लंबे समय से टूटी हुई थीं।

शुद्ध जल: जीवन की पहली शर्त

मानव शरीर का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा जल से बना है। हम बिना भोजन के कुछ दिन जीवित रह सकते हैं, लेकिन बिना पानी के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यही कारण है कि शुद्ध पेयजल किसी सुविधा का नहीं, बल्कि मौलिक अधिकार का सवाल है। दूषित जल धीरे-धीरे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को खत्म करता है। उल्टी-दस्त, डायरिया, टाइफाइड, हेपेटाइटिस जैसी बीमारियां इसी से जन्म लेती हैं। भागीरथपुरा में यही हुआ—बीमारियां पहले आईं, मौतें बाद में। अगर समय रहते पानी की जांच होती, शिकायतों पर कार्रवाई होती, तो शायद एक भी जान न जाती।

स्वच्छता के तमगे और ढकी हुई सच्चाई

इंदौर को लगातार कई वर्षों तक देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया। लेकिन अब यह साफ हो गया है कि इस स्वच्छता की चकाचौंध के पीछे गंदगी को सिर्फ चादर से ढक दिया गया था। सड़कें साफ़ दिख सकती हैं, दीवारें रंगी जा सकती हैं, लेकिन ज़मीन के नीचे बहता सीवर अगर पेयजल में मिल रहा हो, तो ऐसी स्वच्छता किस काम की? अगर इंदौर को स्वच्छता के तमगे नहीं मिले होते, तो क्या इन मौतों पर देशभर का मीडिया ध्यान देता? शायद नहीं। यही तमगे आज व्यवस्था की पोल खोल रहे हैं।

निलंबन कोई सज़ा नहीं

घटना सामने आने के बाद कुछ कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया। लेकिन निलंबन सज़ा नहीं, बल्कि एक अस्थायी प्रशासनिक औपचारिकता है। असली सवाल यह है कि इस लापरवाही के लिए जवाबदेह कौन है? नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इसी क्षेत्र से निर्वाचित हैं और पेयजल विभाग भी उन्हीं के अधीन आता है। जब उनसे सवाल पूछे गए तो उन्होंने बौखलाकर कहा— "ये सब फोकट के सवाल हैं, मत पूछिए।" यह बयान न केवल असंवेदनशील था, बल्कि सत्ता के मद में चूर मानसिकता को भी उजागर करता है। बाद में वीडियो वायरल हुआ, आलोचना हुई, तो खेद जता दिया गया। लेकिन क्या खेद से 15 जानें वापस आ सकती हैं?

महापौर की बेबसी और प्रशासनिक अराजकता

इंदौर नगर निगम के महापौर पुष्यमित्र भार्गव इस पूरे मामले में इतने विचलित हुए कि उन्होंने खुलकर कहा— "अधिकारी सुनते नहीं हैं, ऐसी व्यवस्था में काम करना मुश्किल है।" उन्होंने यह बात मुख्यमंत्री तक पहुंचाने की बात कही। महापौर पहले ही कलेक्टर शिवम वर्मा को चेतावनी दे चुके थे कि भागीरथपुरा से उल्टी-दस्त की शिकायतें आ रही हैं। लेकिन समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। यह स्थिति बताती है कि प्रशासनिक तंत्र में तालमेल नहीं, बल्कि टकराव है—जिसकी कीमत आम नागरिक अपनी जान देकर चुका रहा है।

टैंकर आया, भरोसा नहीं आया

घटना के बाद इलाके में पानी के टैंकर भेजे गए। लेकिन लोग इतना डर चुके हैं कि उस पानी को भी पीने से कतरा रहे हैं। लोग अब आरओ का पानी मंगवाकर पी रहे हैं। यह डर सिर्फ भागीरथपुरा का नहीं, बल्कि पूरे देश के शहरी भारत का डर है।

जल जनित बीमारियां: भारत की स्थायी समस्या

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े बताते हैं कि दुनिया में करीब पौने दो अरब लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। हर साल करीब 50 लाख लोगों की मौत सिर्फ दूषित जल के कारण होती है। भारत में यह समस्या और भी गंभीर है। मध्यप्रदेश जैसे राज्य, जहां बारहमासी नदियां हैं, पर्याप्त बारिश होती है, वहां भी शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा। अधिकांश नगरीय निकायों में पानी की नियमित जांच ही नहीं होती। आरओ और बोतलबंद पानी ने सक्षम वर्ग को तो राहत दे दी, लेकिन गरीब और मध्यम वर्ग आज भी सरकारी सप्लाई पर निर्भर है—और वही सबसे ज्यादा प्रभावित होता है।

औद्योगिक प्रदूषण: नर्मदा का दूसरा ज़हर

मालवा क्षेत्र और इंदौर के आसपास लगी स्टील इकाइयां रोज़ाना करीब 60 टन दूषित रासायनिक मलबा नदियों में बहा रही हैं। लोहे की तार और चद्दरों को साफ करने के लिए 32 प्रतिशत सान्द्रता वाले हाइड्रोक्लोरिक अम्ल का इस्तेमाल होता है। यह तेज़ाब बाद में नालों और छोटी नदियों में बहा दिया जाता है, जो अंततः नर्मदा में मिल जाता है। इससे नदी का पानी लाल, जहरीला और जानलेवा हो जाता है। पूरे मध्यप्रदेश में ऐसी करीब 15 इकाइयां हैं, जिनमें से 10 अकेले मालवा क्षेत्र में हैं। लेकिन पिछले 20 वर्षों में सरकारें इसका स्थायी समाधान नहीं खोज पाईं। भागीरथपुरा की त्रासदी हमें यह सिखाती है कि स्वच्छता के तमगे, रंगी हुई दीवारें और प्रचार से जीवन सुरक्षित नहीं होता। जीवन बचता है— जवाबदेही से, संवेदनशीलता से और ईमानदार शासन से। जब तक शुद्ध पेयजल को प्राथमिकता नहीं दी जाएगी, जब तक लापरवाही को अपराध नहीं माना जाएगा, तब तक ऐसी मौतें होती रहेंगी। इंदौर की गंदगी अब चादर के नीचे नहीं छिपी है। अब सवाल यह है—क्या व्यवस्था जागेगी, या अगली बस्ती अगला भागीरथपुरा बनेगी?

नववर्ष का संकल्प: समतामूलक समाज की ओर कदम

-बाबूलाल नागा

नववर्ष केवल कैलेंडर की तारीख बदलने का नाम नहीं है, बल्कि यह आत्ममंथन, आत्मसमीक्षा और नए संकल्पों का अवसर होता है। हर नया साल हमें यह सोचने का मौका देता है कि बीते समय में हमने क्या खोया, क्या पाया और आगे किस दिशा में बढ़ना है। व्यक्तिगत जीवन के साथ-साथ सामाजिक जीवन में भी नववर्ष का महत्व कम नहीं है। यह वह क्षण होता है जब समाज को नई दिशा देने वाले विचार जन्म लेते हैं और बेहतर भविष्य के सपने आकार लेते हैं।

आज जब समाज अनेक तरह की चुनौतियों—असमानता, भेदभाव, जातिवाद, सांप्रदायिकता और सामाजिक विघटन—से जूझ रहा है, तब नववर्ष पर समतामूलक समाज के निर्माण का संकल्प लेना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। ऐसा समाज, जहां व्यक्ति की पहचान उसकी जाति, धर्म, भाषा या वर्ग से नहीं, बल्कि उसकी मानवता से हो, जहां हर नागरिक को समान अवसर, सम्मान और न्याय मिले—यही एक सशक्त लोकतंत्र की पहचान है।

नववर्ष हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हम समाज के लिए क्या कर सकते हैं। अक्सर हम अपने व्यक्तिगत लक्ष्य तय करते हैं—स्वास्थ्य, करियर, आर्थिक प्रगति—लेकिन समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भूल जाते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि जब समाज मजबूत होता है, तभी व्यक्ति भी सुरक्षित और समृद्ध हो पाता है। इसलिए नववर्ष का संकल्प केवल व्यक्तिगत न होकर सामाजिक भी होना चाहिए।

समाज निर्माण में सबसे पहली आवश्यकता है एकता और सहयोग। आज समाज में विभाजन की रेखाएं गहरी होती जा रही हैं। जाति, धर्म और विचारधारा के नाम पर नफरत फैलाने की कोशिशें हो रही हैं। ऐसे समय में हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम विभाजन नहीं, बल्कि संवाद और समझ को बढ़ावा देंगे। मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद नहीं। एक-दूसरे की बात सुनना, समझना और सम्मान देना ही सामाजिक एकता की बुनियाद है। नववर्ष पर हमें आशावाद और साहस का संकल्प भी लेना चाहिए। समाज में बदलाव आसान नहीं होता। जब भी समानता और न्याय की बात होती है, तो विरोध और कठिनाइयां सामने आती हैं। लेकिन इतिहास गवाह है कि हर बड़ा सामाजिक परिवर्तन कुछ साहसी लोगों के संकल्प से ही संभव हुआ है। हमें निराशा के बजाय आशा को चुनना होगा और अन्याय के खिलाफ खड़े होने का साहस विकसित करना होगा।

समाज के हर व्यक्ति के पास कोई न कोई प्रतिभा, कौशल या अनुभव होता है। नववर्ष पर यह संकल्प लेना आवश्यक है कि हम अपनी क्षमताओं का उपयोग केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के व्यापक हित में करेंगे। कोई शिक्षा के क्षेत्र में योगदान दे सकता है, कोई स्वास्थ्य, कोई सामाजिक सेवा, तो कोई जागरूकता फैलाने के माध्यम से। छोटे-छोटे प्रयास भी यदि ईमानदारी से किए जाएं, तो वे बड़े बदलाव की नींव बन सकते हैं।

यदि समाज विकसित होगा, तो देश स्वतः विकसित होगा। राष्ट्र निर्माण किसी एक सरकार या संस्था का काम नहीं, बल्कि हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि प्रत्येक व्यक्ति यह सोच ले कि "मेरा छोटा सा योगदान भी मायने रखता है", तो समाज और देश को बदलने से कोई नहीं रोक सकता। यही लोकतंत्र की असली शक्ति है।

भारत विविधताओं का देश रहा है। यहां अनेक धर्म, संस्कृतियां, भाषाएं और परंपराएं सदियों से एक-दूसरे के साथ सह-अस्तित्व में रही हैं। हमारी सभ्यता की खूबसूरती इसी विविधता में निहित है। नववर्ष पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम इस विविधता का सम्मान करेंगे और इसे अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत बनाएंगे। आपसी मेल-जोल, प्रेम और भाईचारे से ही राष्ट्रीय एकता को मजबूती मिलती है।

हमारे संविधान निर्माताओं ने भारत के लिए जिस समाज की परिकल्पना की थी, उसके मूल में स्वतंत्रता, समता, बंधुता और न्याय के मूल्य थे। ये केवल शब्द नहीं, बल्कि हमारे लोकतांत्रिक जीवन की आत्मा हैं। नववर्ष पर हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम इन मूल्यों को केवल भाषणों और पुस्तकों तक सीमित नहीं रखेंगे, बल्कि अपने व्यवहार और सोच में उतारेंगे।

संविधान केवल कानून की किताब नहीं, बल्कि एक मानवतावादी दस्तावेज़ है, जो हर नागरिक को बराबरी का अधिकार देता है। इसलिए यह हमारा संवैधानिक दायित्व है कि हम संविधान को पढ़ें, समझें और उसके अनुरूप जीवन जीने का प्रयास करें। जब तक संवैधानिक मूल्य समाज के व्यवहार का हिस्सा नहीं बनेंगे, तब तक समतामूलक समाज का सपना अधूरा रहेगा। आज भी समाज में जातिवाद, छुआछूत, लैंगिक भेदभाव और आर्थिक असमानता जैसी समस्याएं मौजूद हैं। नववर्ष पर हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम इन कुरीतियों के खिलाफ चुप नहीं रहेंगे। भेदभाव चाहे किसी भी रूप में हो, उसका विरोध करना हर जागरूक नागरिक की जिम्मेदारी है। समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलना ही सच्चे विकास का रास्ता है।

किसी भी समाज में असंतोष की स्थिति उत्पन्न होना स्वाभाविक है, लेकिन उसे संवाद और सहयोग से सुलझाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। हिंसा और नफरत किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। नववर्ष पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम शांति, सद्भाव और सह-अस्तित्व के मार्ग पर चलेंगे।

नववर्ष का वास्तविक संदेश यही है कि हम केवल अपनी भलाई तक सीमित न रहें, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझें। इतिहास गवाह है कि बड़े सामाजिक परिवर्तन छोटे-छोटे संकल्पों से ही शुरू हुए हैं। यदि हम ईमानदारी से अपने दायित्व निभाएं, तो बदलाव निश्चित है।

अतः इस नववर्ष पर आइए, हम सब मिलकर यह शपथ लें कि हम समतामूलक, न्यायपूर्ण और मानवतावादी समाज के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करेंगे। यही नववर्ष का सच्चा स्वागत और हमारे लोकतंत्र के प्रति सच्ची प्रतिबद्धता होगी।

गिग-वर्कर्स की देशव्यापी हड़ताल: डिजिटल चकाचौंध में पसीने का अंधेरा

डिजिटल इंडिया की चमकदार तस्वीर में अगर कोई सबसे ज़्यादा अदृश्य है, तो वह है गिग-वर्कर। वही गिग-वर्कर, जिनके कंधों पर टिके '10 मिनट में डिलीवरी', 'वन-क्लिक सुविधा' और 'डोर-टू-डोर सर्विस' जैसे आकर्षक दावे खड़े हैं। ऑनलाइन बाज़ार, फूड डिलीवरी, कैब सेवाएं और घरेलू सेवाओं की पूरी संरचना इन्हीं श्रमिकों के पसीने पर टिकी है। लेकिन विडंबना यह है कि जिनके श्रम से यह डिजिटल अर्थव्यवस्था दिन-रात दौड़ रही है, वही श्रमिक सबसे अधिक असुरक्षा, अनिश्चितता और उपेक्षा का शिकार हैं। नए साल की पूर्व संध्या पर गिग-वर्कर्स की देशव्यापी हड़ताल ने भले ही पूरी तरह आपूर्ति-श्रृंखला को ठप न किया हो, लेकिन इसने उस कड़वी सच्चाई को ज़रूर उजागर कर दिया, जिसे अब तक तकनीक और सुविधा की चकाचौंध में ढक दिया गया था। यह हड़ताल किसी राजनीतिक उकसावे या अचानक उपजे आक्रोश का परिणाम नहीं थी, बल्कि वर्षों से जमा हो रहे असंतोष, घटती आमदनी, बढ़ते काम के दबाव, अनिश्चित भविष्य और सम्मान के अभाव की स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी। गिग-वर्कर्स वे लोग हैं, जो परंपरागत नौकरी के बजाय अस्थायी, लचीले और स्वतंत्र कहे जाने वाले छोटे-छोटे काम करते हैं। उबर, ओला, स्विगी, ज़ोमैटो, ब्लिंकिट, अर्बन कंपनी जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म उन्हें काम मुहैया कराते हैं और भुगतान प्रति ऑर्डर या प्रति सेवा के आधार पर होता है। कागज़ों में वे 'स्वतंत्र ठेकेदार' होते हैं, लेकिन हकीकत में उनकी स्वतंत्रता बेहद सीमित और शर्तों से बंधी होती है। इन श्रमिकों के पास न स्थायी अनुबंध होता है, न नौकरी की सुरक्षा, न बीमा, न पेंशन और न ही सामाजिक सुरक्षा का कोई भरोसेमंद ढांचा। औसतन एक गिग-वर्कर दिन के 12 से 14 घंटे काम करता है। तेज़ धूप, कड़ाके की सर्दी, मूसलाधार बारिश—हर मौसम में। कभी ट्रैफिक में फंसा रहता है, कभी खराब सड़कों पर दुर्घटना का खतरा उठाता है और कभी ऊंची इमारतों की सीढ़ियां चढ़ता-उतरता है। इसके बावजूद दिन के अंत में उसकी औसत कमाई सात-आठ सौ रुपये से अधिक नहीं होती। इस सीमित आमदनी में उसे पेट्रोल, मोबाइल डेटा, बाइक या वाहन की मरम्मत और कई बार जुर्माने तक खुद भरने पड़ते हैं। दुर्घटना, बीमारी या तकनीकी गड़बड़ी—किसी भी स्थिति में नुकसान सीधे गिग-वर्कर को उठाना पड़ता है। अगर वह बीमार पड़ गया, तो न कोई सवेतन अवकाश है, न कोई सहायता। ऐप काम न करे, तो दिन की कमाई शून्य हो जाती है। ग्राहक की एक खराब रेटिंग भविष्य की आमदनी पर गहरी चोट कर देती है। ग्राहकों का व्यवहार भी अक्सर असंवेदनशील होता है। देर होने पर झिड़कियां, सामान में कमी निकालकर अपमान, कभी-कभी गाली-गलौज और हिंसक रवैया—यह सब इनके रोज़मर्रा के अनुभव का हिस्सा है।

लेकिन प्लेटफॉर्म कंपनियां ज़्यादातर मामलों में ग्राहक को ही सर्वोपरि मानती हैं, श्रमिक की पीड़ा को नहीं। गिग-वर्कर्स को 'स्वतंत्र' कहकर कंपनियां पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों से बच निकलती हैं। उन्हें नियुक्ति पत्र, न्यूनतम वेतन, बीमा और सामाजिक सुरक्षा जैसी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया जाता है। लेकिन वास्तव में एल्गोरिदम आधारित नियंत्रण, रेटिंग सिस्टम, इंसेंटिव के नाम पर लालच और 'हायर एंड फायर' की नीति मिलकर एक ऐसी अदृश्य जकड़न पैदा करते हैं, जिसमें श्रमिक स्वतंत्र दिखाई देता है, लेकिन पूरी तरह मशीन और सिस्टम के आदेशों के अधीन होता है। कब कितने ऑर्डर मिलेंगे, किस इलाके में भेजा जाएगा, किसे ब्लॉक किया जाएगा—यह सब इंसान नहीं, बल्कि कोड तय करता है। हड़ताल के दौरान भी इस असंतुलन की तस्वीर साफ दिखी। कंपनियों ने अतिरिक्त प्रोत्साहन देकर या ऑर्डर की संख्या बढ़ाकर श्रमिक एकता को कमजोर करने की कोशिश की। 31 दिसंबर को एक बड़ी फूड डिलीवरी कंपनी द्वारा रिकॉर्ड ऑर्डर दर्ज किया जाना इस विडंबना को उजागर करता है कि एक तरफ श्रमिक अपने अधिकारों के लिए आवाज़ उठा रहे थे, वहीं दूसरी तरफ मुनाफ़े के आंकड़े और शेयर वैल्यू चमक रहे थे। यह वही व्यवस्था है, जिसमें जोखिम श्रमिक का और लाभ कंपनी का होता है। निस्संदेह, गिग अर्थव्यवस्था ने रोज़गार के अवसर बढ़ाए हैं। आज भारत में गिग-वर्कर्स की संख्या सवा करोड़ से अधिक बताई जाती है और अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या 2.35 करोड़ तक पहुंच सकती है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि बेरोज़गारी के बढ़ते दबाव में पढ़े-लिखे युवा इसे विकल्प नहीं, बल्कि मजबूरी के तौर पर अपना रहे हैं। जिस देश को युवाओं का देश कहा जाता है, वहां शिक्षित युवाओं का अस्थायी, असुरक्षित और सम्मानहीन श्रम व्यवस्था में फंसना केवल चिंताजनक ही नहीं, बल्कि शर्मनाक भी है। यह स्थिति बताती है कि हमारी विकास नीतियां रोज़गार की गुणवत्ता पर नहीं, बल्कि केवल संख्या पर केंद्रित हैं।

हाल के दिनों में संसद में भी गिग-वर्कर्स के शोषण का मुद्दा उठा है। कुछ सांसदों ने इस वर्ग की दयनीय स्थिति और कानूनी अस्पष्टता की ओर ध्यान दिलाया है। यह सकारात्मक संकेत है, क्योंकि जब तक नीति-निर्माण की प्रक्रिया में इन श्रमिकों की आवाज़ शामिल नहीं होगी, तब तक सुधार अधूरे ही रहेंगे। सरकार ने हालिया श्रम सुधारों में पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को कानूनी रूप से परिभाषित किया है। एग्रीगेटर कंपनियों के टर्नओवर का एक से दो प्रतिशत सामाजिक सुरक्षा कोष में देने, आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर जैसी व्यवस्थाएं कागज़ पर महत्वपूर्ण कदम हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये प्रावधान वास्तव में गिग-वर्कर्स की ज़िंदगी में ठोस बदलाव ला पाएंगे, या फिर ये भी फाइलों और रिपोर्टों तक सीमित रह जाएंगे। जब तक न्यूनतम सुनिश्चित आय, कार्य-घंटों की सीमा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और प्रभावी शिकायत निवारण व्यवस्था लागू नहीं होती, तब तक इन सुधारों को परिवर्तनकारी नहीं कहा जा सकता। गिग-वर्कर्स की मांगें कोई अव्यावहारिक या असंभव नहीं हैं। वे बस इतना चाहते हैं कि मेहनत का उचित दाम मिले, जोखिम साझा किया जाए और उन्हें सम्मानजनक नागरिक के रूप में देखा जाए। 31 दिसंबर की हड़ताल भले ही पूरी तरह सफल न रही हो, लेकिन वह नैतिक और सामाजिक रूप से पूरी तरह जायज़ थी। यह हड़ताल व्यवस्था को बाधित करने से अधिक, व्यवस्था के भीतर छिपे अन्याय, शोषण और दोहरे मानकों को उजागर करने का प्रयास थी। गिग-वर्कर्स ने यह संदेश दिया कि वे केवल 'डिलीवरी बॉय' या 'कैब ड्राइवर' नहीं हैं, बल्कि अधिकारों और गरिमा के साथ जीने वाले नागरिक हैं। डिजिटल सुविधा की यह चमकदार दुनिया तब तक टिकाऊ नहीं हो सकती, जब तक उसके नीचे पसीने, डर और असुरक्षा का अंधेरा पसरा रहेगा। सवाल यह है कि क्या नीति-निर्माता और समाज इस अंधेरे को देखने का साहस करेंगे, या फिर सुविधा की चकाचौंध में आंखें मूंदे रहेंगे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कोटा हाड़ौती ट्रैवल मार्ट-2026 में प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

-कोटा हाड़ौती ग्लोबल टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में उभरेगा- उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने एक विशिष्ट पहल के रूप में कोटा में आयोजित तीन दिवसीय कोटा हाड़ौती ट्रैवल मार्ट के दूसरे दिन सिटी हिल आर्ट में शनिवार को 'बीटूबी' प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारम्भ किया। उन्होंने वहां लगी स्टॉल्स का अवलोकन भी किया। दिया कुमारी ने 26 राज्यों से आए ट्रैवल एजेंट्स, टूर ऑपरेटर्स, होटल व्यवसाय से जुड़े प्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रदर्शनी का अवलोकन करने के दौरान पत्रकारों को बताया कि राजस्थान सरकार का विजन है कि राज्य की राजधानी के अलावा भी अन्य शहरों में भी ट्रैवल मार्ट तथा अन्य आयोजन किये जाएं, जिससे स्थानीय स्तर पर पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कहा कि अभी जयपुर, जोधपुर और उदयपुर में ही ज्यादा पर्यटक आगमन होता है लेकिन राज्य के अन्य स्थानों पर भी पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के सभी अनछुए पर्यटक स्थलों पर अब पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा। दिया कुमारी ने कहा कि वैश्विक पर्यटन कैलेंडर में कोटा हाडौती भी शामिल करवाने का प्रयास किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कोटा हड़ौती में वाइल्ड लाइफ, चम्बल रिवर फ्रंट, यहां के किले, महल, मिनिएचर पेंटिंग,लोक एवं क्राफ्ट जैसे पर्यटन के कई शानदार और अद्त आकर्षण हैं। यहां के ऐतिहासिक एवं हेरिटेज स्थल, धार्मिक , ग्रामीण और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों के कारण पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। दिया कुमारी ने कहा कि कोटा—हाड़ौती ट्रेवल मार्ट— 2026 केवल एक व्यापारिक आयोजन नहीं बल्कि हाड़ौती क्षेत्र की सांस्कृतिक

पहचान, प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन क्षमता को नई दिशा देने का सशक्त माध्यम है। यह आयोजन राजस्थान को पर्यटन के क्षेत्र में और अधिक मजबूत बनाने के साथ—साथ स्थानीय स्तर पर विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित करने में अहम भूमिका निभाएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कोटा में अब एयरपोर्ट भी शुरू होगा, सड़क सम्पर्क भी विकसित हुआ है। कोटा हाड़ौती ट्रेवल मार्ट के माध्यम से राज्य सरकार ने प्रयास किया है कि यह क्षेत्र भी पर्यटन मानचित्र में उभर कर आए। इस आयोजन में बड़ी संख्या में होटेलियर्स और टूर ऑपरेटर्स की सहभागिता तथा स्थानीय लोगों का उत्साह प्रशंसनीय है। यह आयोजन हाड़ौती क्षेत्र को एक उभरते हुए पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कोटा हाड़ौती ग्लोबल टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में उभरेगा। दिया कुमारी ने होटल फैडरेशन ऑफ राजस्थान की स्टॉल का अवलोकन किया तथा इस अवसर पर फैडरेशन के अध्यक्ष हुसैन खान, कोटा संभाग अध्यक्ष अशोक माहेश्वरी, संरक्षक सुरेंद्र सिंह शाहपुरा, महासचिव रणविजय सिंह सहित फैडरेशन के सभी संभागों के पदाधिकारियों की ओर से उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का स्वागत किया गया एवं पुष्पगुच्छ भेंट किया गया। उपमुख्यमंत्री ने इस अवसर पर होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान की कोटा संभाग की स्मारिका का विमोचन भी किया। पर्यटन आयुक्त श्रीमती रूकमणि रियार ने बताया कि राज्य में पर्यटन व्यवसाय के विकेंद्रीकरण और प्रसार के उद्देश्य से इस मार्ट का आयोजन किया गया है। कोटा—हाड़ौती ट्रेवल मार्ट के माध्यम से हाड़ौती अंचल की पर्यटन संभावनाओं को एक साझा मंच पर प्रस्तुत किया गया है। इससे हाड़ौती क्षेत्र में पर्यटन निवेश नए पर्यटन उत्पादों के विकास तथा रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। इस दौरान टूर ऑपरेटरों को कोटा और आसपास के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण भी कराया जा रहा है ताकि वे हाड़ौती को अपने पर्यटन पैकेज में शामिल कर सकें। उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर प्रदर्शनी एवं बीटूबी बैठकों का आयोजन किया गया, जिसमें देश—विदेश से आए टूर ऑपरेटर, ट्रैवल एजेंट, होटल एवं ट्रैवल ट्रेड से जुड़े प्रतिनिधि और स्थानीय पर्यटन उद्यमियों ने संवाद किया। प्रदर्शनी में पर्यटन, होटल, ट्रैवल एवं हॉस्पिटैलिटी सेक्टर से जुड़े व्यवसायियों ने विभिन्न स्टॉल्स के माध्यम से अपने उत्पाद और सेवाएं प्रदर्शित की।

समर्पण संस्था द्वारा "उत्कृष्ट जीवन" पर व्याख्यान व मीटिंग आयोजित

-वर्ष 2026 में आयोजित होने वाले 10 कार्यक्रमों का तिथिवार कैलेंडर जारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। " जीवन प्रबंधन से ही उत्कृष्ट जीवन का निर्माण सम्भव है। आधुनिक समय में उत्कृष्ट जीवन स्वास्थ्य, ध्यान, गहरा काम, सार्थक रिश्ते व निरंतर सीखने में समाहित है । उक्त विचार समर्पण संस्था द्वारा नववर्ष पर राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान दुर्गापुरा के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित " 21 वीं सदी में उत्कृष्ट जीवन जीने की कला " विषयक व्याख्यान व मीटिंग में मुख्य वक्ता संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने व्यक्त किये। डॉ. माल्या ने पीपीटी प्रजेंटेशन द्वारा उत्कृष्ट जीवन की व्याख्या करते हुए कहा कि " वर्तमान समय में उत्कृष्ट जीवन के 6 मुख्य स्तम्भ हैं जिनमें पहला गहन एकाग्रता, दूसरा शारीरिक जीवन शक्ति, तीसरा भावनात्मक महारत, चौथा निरन्तर सीखना, पाँचवाँ व्यक्तित्व ब्रांड और नेटवर्क की समझ, छठा जीवन का उद्देश्य व समाज के कल्याण में भागीदारी है। उन्होंने कहा कि "जीवन मालवाहक ट्रक की तरह है यह हमें तय करना है कि इसमें कोयले भरते हैं या हीरे भरते है ।" प्रकृति के अपने शाश्वत नियम है और हमारा जीवन भी प्रकृति का हिस्सा है। हम पूरी तरह परफ़ेक्ट है कोई और अलग से ज्ञान की जरूरत नहीं है। इस समझ से ही जीवन की समस्याओं से मुक्ति मिल जाती है । इससे पूर्व व्याख्यान व मीटिंग की शुरुआत समर्पण प्रार्थना के साथ की गई जिसे सुश्री सुवज्ञा माल्या व सुश्री आरती कुमावत के ने उच्चारित करवाया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद राम कुमार वर्मा ने कहा कि "अनुशासित जीवन उत्कृष्टता

की राह बनाता है । समाज कल्याण के लिए योगदान से जीवन उत्कृष्ट बनता है।" इस अवसर पर आयोजित मीटिंग में वर्ष 2026 में संस्था द्वारा आयोजित किये जाने वाले वाले 10 कार्यक्रमों का तिथिवार कैलेंडर जारी किया गया जिसका विमोचन अतिथिगणो द्वारा किया गया । इस अवसर पर गीतकार रमेश बैरवा ने जीवन को नई दिशा देने वाला गीत प्रस्तुत किया । इस अवसर पर विशेष आमंत्रित अतिथि योगाचार्य मनीष विजयवर्गीय ने स्वस्थ तन व मन के लिए योग को जीवन का आधार बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही पूर्व जिला न्यायाधीश व स्थाई लोक अदालत चूरू की अध्यक्ष श्रीमती इन्द पारीक ने कहा कि " प्रतिदिन किसी न किसी व्यक्ति की किसी भी माध्यम से ज़रूर सेवा करें।" संस्था द्वारा व्याख्यान में उपस्थित सभी श्रोताओं को प्रमाण पत्र भी भेंट किए गये । कार्यक्रम में अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने भाग लिया । मंच संचालन ऑल इंडिया रेडियो एंकर श्रीमती शिवाली गुप्ता ने किया।

सावित्री बाई फुले जी की जयंती मनाई

-गौशाला में नाथू लाल सैनी ने 11000 रुपए का सहयोग दिया

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। शाहपुरा सब्ज़ी मंडी परिसर में देश की प्रथम महिला अध्यापिका, समाज सेविका सावित्री बाई फुले जी की जयंती समारोह महाराज श्री हरिओम दास जी महाराज के सानिध्य में जयंती मनाई तथा इस मौके पर खोरी परमानंद जी महाराज की गोशाला में अभी हाल ही में जो नुकसान हुआ है इस मौके पर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष नाथू लाल सैनी ने 11000 रुपए का सहयोग दिया। इस मौक़े पर रामेश्वर गोरेटा, जितेंद्र शर्मा, मुकेश खुडानिया, जगदीश सोनी, महेश सैनी, बद्री सैनी, रामकुमार लोहार, राधेश्याम सैनी,राजेंद्र शर्मा, गणेश सैनी, रोहतास सैनी, C M सैनी, सूरज सैनी, सुभाष भडाणा, विशाल पलसानिया, अक्षय सैनी, सीताराम योगी, तेजपाल यादव, पप्पू सैनी, मुकेश यादव, अमित सैनी, सुरेंद्र यादव,घनश्याम सैनी, रामसिंह जीतरवाल, बाबूलाल बुनकर, मुकेश गुर्जर, सुरेश जाट आदि लोग मौजूद रहे हैं।

भाजपा की संगठनात्मक कार्यशाला का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को मूल्यों, आदर्शों और जनसेवा के भाव से जोड़ना- मदन राठौड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश स्तरीय संगठनात्मक कार्यशाला का कॉन्स्टिट्यूशन क्लब, जयपुर में आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उद्घाटन सत्र को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने संबोधित किया। कार्यशाला को भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने भी संबोधित किया। इस दौरान भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, भाजपा की राष्ट्रीय सचिव डॉ. अलका गुर्जर, राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पुनिया, अशोक परनामी, महामंत्री भूपेंद्र सैनी, मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड,सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि संगठनात्मक कार्यशाला का उद्देश्य राजनीति करना नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं को मूल्यों, आदर्शों और जनसेवा के भाव से जोड़ना

है। आज संगठनात्मक सत्रों में हर विषय पर गंभीर चिंतन किया गया। विशेष रूप से कुटुंब प्रबंधन पर जोर देते हुए कहा कि आदर्श परिवार ही आदर्श समाज की नींव होता है। भाजपा की राजनीति सेवा भाव पर आधारित है। हम सब राजनीति में सेवक के रूप में आए हैं और जनसेवा के लिए अपना जीवन समर्पित करना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने संगठन के भीतर संयम, संतुलन और आपसी समन्वय बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि छोटी-छोटी बातों पर विवाद से बचना चाहिए और सकारात्मक सोच के साथ काम करना चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को जनता में भी संयम, संवेदना और संवाद की भावना जागृत करनी चाहिए। कहीं भी कटुता उत्पन्न हो, तो संवाद के माध्यम से समाधान निकाला जाए। राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय एकात्मता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है। हमारी राजनीति आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए। राठौड़ ने गांधीवादी दृष्टिकोण, सर्वधर्म समभाव और "सर्वे भवन्तु सुखिनः" की भावना को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें अपनी विरासत, इतिहास और पूर्वजों पर गर्व करना चाहिए तथा गुलामी की मानसिकता को पूरी तरह त्यागना होगा। देश अब स्वतंत्र है और स्वतंत्र सोच के साथ आगे बढ़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नागरिकों में कर्तव्यबोध जागृत करना और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर कार्य करना हम सभी का दायित्व है। कार्यकर्ता पार्टी की आत्मा हैं और संगठन कार्यकर्ताओं से ही बनता है, इसलिए उनका सम्मान सर्वोपरि है। प्रदेश अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि यह कार्यशाला केवल कार्यकर्ताओं को जनसेवा, संगठनात्मक अनुशासन और जीवन मूल्यों की शिक्षा देने के लिए आयोजित की गई थी। उन्होंने कार्यकर्ताओं के धैर्य, समर्पण और सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया।

तेली समाज के विकास की बात, इतिहास में पहली बार पहुंची महामहिम के पास

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रांतीय मुस्लिम तेली महापंचायत के प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल लतीफ आरको ने बताया कि तेली समाज के विकास, उत्थान सामाजिक विकास शिक्षा के लिए प्रांतीय तेली महापंचायत के प्रदेश संरक्षक पूर्व राज्य मंत्री अशरफ अली खिलजी ने भारत के महामहिम उपराष्ट्रपति C P राधा कृष्णन से मुलाकात की तथा मिलकर तेली समाज के विकास का एक मांग पत्र सौंपा उन्होंने राष्ट्रीय तेली विकास बोर्ड गठन का समाज के उत्थान के लिए बहुत जरूरी होना और समाज की आर्थिक सामाजिक दृष्टि एवं शिक्षा के बारे में भी अवगत करवाया साथ ही में मौजूदा हालात की भी चर्चा की। आरको ने बताया कि इस तरह की मुलाकात और समाज की बात किसी व्यक्ति ने तेली समाज के लिए पहली बार भारत के गणराज्य के महामहिम से की है। महामहिम ने आश्वस्त किया कि इस संदर्भ में सरकार से रिपोर्ट मांगेगे।

समुदाय को बेहतर बनाने हेतु शीतकालीन शिविर का आयोजन, युवाओं ने बढ़चढ़ कर लिया भाग

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य बहाई परिषद एवं राज्य प्रशिक्षण संस्थान के तत्वाधान में 25 दिसम्बर 2025 से 1 जनवरी 2026 तक 8 दिवसीय शीतकालीन शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन बापू नगर स्थित बहाई हाउस में किया गया। यह शिविर युवाओं, किशोरों एवं समुदाय के सक्रिय सदस्यों के लिए आत्मिक, बौद्धिक एवं नैतिक विकास का एक सशक्त मंच सिद्ध हुआ। राज्य बहाई परिषद् के सचिव राजेश मीणा ने बताया कि इस शिविर में शिवदासपुरा, वाटिका, श्री राम की नांगल, बीलवा, चाकसू, हिंगोनियाँ, निवाई, माधोराजपुरा एवं कोटखावदा क्षेत्रों से आए लगभग 100 प्रतिभागियों ने अत्यंत उत्साह एवं अनुशासन के साथ सहभागिता की। विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों के बीच आपसी सहयोग, भाईचारे एवं एकता का सुंदर वातावरण देखने को मिला। शिविर के दौरान प्रतिभागियों द्वारा रूही पुस्तक 1, 3, 5 तथा रूही पुस्तक 3 (ग्रेड 2) का गहन अध्ययन किया गया। अध्ययन सत्रों के माध्यम से आत्मिक मूल्यों, सेवा भावना, सामुदायिक जीवन, नैतिक विकास तथा समाज के उत्थान में युवाओं की भूमिका जैसे विषयों पर

विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। संवाद, समूह चर्चा एवं व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों में सेवा के प्रति जागरूकता और उत्तरदायित्व की भावना और अधिक सुदृढ़ हुई। प्रशिक्षण संस्थान के सचिव शिवचरण देव ने बताया कि शिविर अवधि में एक विशेष किशोर कैम्प का भी आयोजन किया गया, जिसमें किशोरों ने नियमित रूप से अध्ययन एवं रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिया। यह कैम्प किशोरों के चरित्र निर्माण, नेतृत्व क्षमता के विकास तथा सेवा की भावना को प्रोत्साहित करने में अत्यंत सहायक सिद्ध हुआ। शिविर का समापन समारोह अत्यंत गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा शिविर के दौरान अपने भीतर आए सकारात्मक परिवर्तनों के बारे में बताया। अनेक प्रतिभागियों ने यह व्यक्त किया कि इस अध्ययन और प्रशिक्षण से उनके अंदर सेवा का भाव जागृत हुआ है तथा वे अपने-अपने क्षेत्रों में बच्चों एवं किशोरों की कक्षाएं आयोजित करने का संकल्प लेकर लौट रहे हैं। समारोह के दौरान सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट) वितरित किए गए। इस अवसर पर राज्य बहाई परिषद के सचिव राजेश मीणा, स्थानीय आध्यात्मिक सभा के सचिव अनुज अनंत एवं सहायक मंडल सदस्य बनवारी चंदवाड़ा की गरिमामयी उपस्थिति रही। स्थानीय आध्यात्मिक सभा के सभापति नेजात हगीगत ने शिविर की सराहना करते हुए युवाओं के प्रयासों की प्रशंसा की और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रदान कीं। यह शीतकालीन शिविर न केवल अध्ययन का माध्यम रहा, बल्कि सेवा, एकता एवं नैतिक मूल्यों को जीवन में उतारने की प्रेरणा देने वाला एक यादगार आयोजन सिद्ध हुआ।

राजस्थान ने किया 79% बजट व्यय –डॉ. किरोड़ी लाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में शनिवार को वीसी के माध्यम से राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, उड़ीसा, सिक्किम, मिजोरम एवं तेलंगाना राज्यों के कृषि मंत्रियों, विभागीय सचिवों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने बताया कि पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत भारत सरकार से प्राप्त 425 करोड़ रुपये के बजट के विरुद्ध अब तक 333 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं, जो कि कुल आवंटन का लगभग 79 प्रतिशत है। इस राशि से प्रदेश के किसानों को योजना के तहत व्यापक लाभ प्रदान किया गया है।

सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025- समापन से पहले उमड़ा जनसैलाब

-4 जनवरी समापन समारोह में मशहूर सिंगर शहजाद अली देंगे विशेष परफॉरमेंस

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 का भव्य समापन रविवार, 4 जनवरी को होने जा रहा है। समापन से एक दिन पूर्व शनिवार को मेले में अभूतपूर्व भीड़ देखने को मिली। बड़ी संख्या में लोग इस अनूठे मेले के अंतिम पलों का आनंद लेने पहुंचे, जिससे पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। आज मेले में रिकॉर्ड तोड़ बिक्री दर्ज की गई, जो मेले की लोकप्रियता और लोगों के बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। मेले में जयपुर के प्रतिष्ठित आईआईएस कॉलेज एवं सुबोध कॉलेज के छात्र-छात्राओं की विशेष सहभागिता देखने को मिली। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने मेले का भ्रमण किया। जहां उन्होंने न केवल हस्तशिल्प एवं उत्पादों की खरीदारी की बल्कि लाइव डेमो के माध्यम से पारंपरिक कलाओं की बारीकियां भी समझीं। युवाओं में मेले को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला और कई युवा सोशल मीडिया के लिए रील्स और कंटेंट बनाते नजर आए, जिससे मेले की पहुंच डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी व्यापक रूप से बनी रही। मेले की सांस्कृतिक संध्या ने भी दर्शकों का मन मोह लिया। राजस्थानी लोक नृत्य और कत्थक फ्यूजन की मनमोहक प्रस्तुतियों पर दर्शक झूम उठे और तालियों से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। परंपरा और आधुनिकता के इस संगम ने मेले की सांस्कृतिक पहचान को और अधिक सशक्त किया। रविवार, 4 जनवरी को मेले का भव्य समापन दिवस आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर फोटोग्राफी

प्रतियोगिता सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा की जाएगी एवं पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित होगा। इसे लेकर प्रतिभागियों और दर्शकों में खासा रोमांच देखने को मिल रहा है। समापन दिवस की सांस्कृतिक संध्या में फिल्म धुरंधर के मशहूर गीत "न तो कारवां की तलाश है " से लोकप्रिय हुए शहज़ाद अली अपनी परफॉरमेंस देंगे। उनके कार्यक्रम को लेकर युवाओं में विशेष उत्साह है और बड़ी संख्या में दर्शकों के मेले में पहुंचने की संभावना है।

सरस मेला: ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्वयं सहायता समूहों का सशक्त मंच—

सरस मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत की आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उदाहरण है। यह मेला देशभर के स्वयं सहायता समूहों (SHG) की महिलाओं को अपनी कला, हुनर और उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करता है। इन महिलाओं द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, वस्त्र, खाद्य उत्पाद और पारंपरिक कलाकृतियां न केवल उनकी आर्थिक मजबूती का आधार बनती हैं, बल्कि उन्हें आत्मसम्मान और पहचान भी दिलाती हैं। सरस मेला ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण, आजीविका संवर्धन और 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जन भागीदारी के साथ होगा सेना दिवस परेड का दिव्य एवं भव्य आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में 8 जनवरी से 15 जनवरी, 2026 तक सेना दिवस परेड–2026 के दिव्य, भव्य एवं सफल आयोजन के लिए जन भागीदारी सुनिश्चित होगी। शनिवार को सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में सेना दिवस परेड के सफल आयोजन को लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह विभाग भास्कर ए. सावंत की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समन्वय एवं समीक्षा बैठक आयोजित हुई। अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह विभाग भास्कर आत्माराम सावंत ने कहा कि यह आयोजन न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए गौरवपूर्ण एवं ऐतिहासिक है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा भारतीय सेना के शौर्य एवं गौरव को आमजन तक पहुँचाने के उद्देश्य से जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ व्यापक संवाद किया गया है। बैठक के प्रारंभ में नवीन जैन, प्रमुख शासन सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सेना दिवस परेड के आयोजन को लेकर एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। उन्होंने बताया कि भारत के इतिहास में यह पहली बार है जब सेना दिवस परेड आमजन के बीच आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार द्वारा इस आयोजन को जन-जन तक पहुँचाने हेतु विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि आम नागरिक भारतीय सेना के शौर्य, अनुशासन एवं गौरव को निकट से अनुभव कर सकें। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र

कुमार सोनी ने जयपुर द्वारा दर्शकों के लिए बैठक व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास मार्गों के संबंध में जानकारी दी गई। उन्होंने सभी शैक्षणिक संस्थानों एवं संगठनों से आग्रह किया कि वे सोमवार तक परेड देखने हेतु आने वाले प्रतिभागियों की संख्या एवं विवरण उपलब्ध कराएं, जिससे व्यवस्था और अधिक सुव्यवस्थित रूप से सुनिश्चित की जा सकें। परेड के दौरान आमजन एवं आमंत्रित दर्शकों के लिए बैठक व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाएं, एम्बुलेंस सेवा, पार्किंग व्यवस्था, मोबाइल टॉयलेट्स, पेयजल एवं यातायात प्रबंधन सहित सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की गई हैं। सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस, यातायात पुलिस एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियों द्वारा समन्वित कार्य योजना के तहत व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (यातायात) योगेश दाधीच ने पार्किंग स्थलों, रूट डायवर्जन एवं यातायात सुचारू रखने हेतु की गई तैयारियों से अवगत कराया। बैठक में सेना भर्ती एवं अन्य सैन्य परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों तथा स्कूली छात्र-छात्राओं को बड़ी संख्या में सेना दिवस परेड देखने हेतु प्रेरित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार 09 जनवरी को आयोजित होने वाली सेना दिवस परेड मातृशक्ति को समर्पित की गई है। इसके तहत अधिक से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा उन्हें परेड देखने हेतु प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि परेड में आने वाले सभी दर्शकों को सेना से संबंधित अनुशासन, सुरक्षा मानकों एवं आचरण संबंधी दिशा-निर्देशों की पूर्व जानकारी प्रदान की जाए। बैठक में जयपुर, अलवर, अजमेर, टोंक, सीकर, कोटपूतली, झुंझुनूं, सवाई माधोपुर, कुचामन-डीडवाना जिलों के अतिरिक्त जिला कलक्टर, पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, आईसीडीएस, चिकित्सा, शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी, यातायात पुलिस, सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ विभिन्न निजी संस्थाओं एवं संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

खोथांवाली ग्राम सेवा सहकारी समिति लिमिटेड के व्यवस्थापक पर गबन का आरोप

-काफी बार व्यवस्थापक प्रेम थोरी कर चुका है गबन लेकिन राजनीतिक पहुंच के चलते नहीं हुई अभी तक कोई कार्रवाई

खोथांवाली/हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। हनुमानगढ़ जिले के खोथांवाली गांव स्थित ग्राम सेवा सहकारी समिति लिमिटेड में गबन का गंभीर मामला सामने आया है। समिति के व्यवस्थापक प्रेम कुमार थोरी पर किसानों की ऋण राशि का गबन करने का आरोप लगा है। आरोप है कि किसानों द्वारा समय पर ऋण चुकाने के बावजूद व्यवस्थापक प्रेम कुमार थोरी ने वह राशि आगे बैंक में जमा नहीं कराई और कथित रूप से गबन कर लिया। इस लापरवाही और अनियमितता के चलते बैंक ने संबंधित किसानों को डिफॉल्टर घोषित कर दिया। इस मामले को लेकर आज बड़ी संख्या में किसान ग्राम सेवा सहकारी समिति लिमिटेड के कार्यालय के सामने एकत्रित हुए और विरोध प्रदर्शन किया। किसानों का कहना है कि उनकी कोई गलती न होने के बावजूद उन्हें डिफॉल्टर बना दिया गया, जिससे अब भविष्य में उन्हें बैंक से ऋण मिलने में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। किसानों ने आरोप लगाया कि व्यवस्थापक ने जानबूझकर उनके पैसों का दुरुपयोग किया, जिसका खामियाजा अब किसानों को भुगतना पड़ रहा है। प्रदर्शन कर रहे किसानों ने सहकारी समिति और संबंधित अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल मामले को लेकर क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है, और किसान जल्द समाधान न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दे रहे हैं। खोथावाली ग्राम सेवा सहकारी समिति में लाखों

रुपये के कथित घोटाले के विरोध में ग्रामीणों ने समिति पर ताला जड़ दिया है। किसानों ने समिति के अध्यक्ष को एक ज्ञापन सौंपकर वर्तमान व्यवस्थापक को हटाने की मांग की है।

लोन लेकर ग्रामीणों को डिफाल्टर घोषित किया गया:-

उनका आरोप है कि उनकी जानकारी के बिना उनके नाम पर ऋण लिए गए और उन्हें डिफाल्टर घोषित कर दिया गया। यह मामला तब सामने आया जब सहकारी समिति अधिनियम की धारा 155 के तहत हुई जांच में तत्कालीन अध्यक्ष, सहायक व्यवस्थापक, सहायक कर्मचारी और एक अन्य व्यक्ति को नियम विरुद्ध लाखों रुपये के भुगतान उठाने का दोषी पाया गया। घोटाला उजागर होने के बाद किसानों ने वर्तमान व्यवस्थापक प्रेम थोरी पर भी नियम विरुद्ध भुगतान उठाने और गबन का आरोप लगाया है। केंद्रीय सहकारी बैंक द्वारा उन्हें डिफाल्टर घोषित किए जाने से उनमें भारी रोष है।

इस तरह हुआ घोटाला:-

किसान रेशम सिंह पुत्र जसवंत सिंह ने बताया कि "मेरी पिता की मृत्यु के बाद जो सहकार बीमा का क्लेम आया वो सहकारी बैंक में जमा करवाकर खाता बंद करवाना था लेकिन उन्होंने वो राशि व्यवस्थापक प्रेम थोरी ने अपने पास रखी और मुझे उसका नोड्यूज दे दिया गया। बैंक में यह राशि अब 68000 से बढ़कर 91000 रुपये हो गई, जिससे बैंक ने मुझे डिफाल्टर सूची में जोड़ दिया है।" इसी तरह किसान विचित्र सिंह पुत्र करतार सिंह ने बताया कि "जमीन स्थानान्तरित करने के लिए पटवारी को नो ड्यूज देने के लिए सहकारी समिति को 82000 नगद करीब साढ़े तीन साल पहले जमा करवाये गए थे। जो राशि बैंक में जमा न होने के चलते यह राशि बढ़कर 114,000 रुपये हो गई। जिससे बैंक ने हमे डिफाल्टर घोषित कर दिया।

दर्जनों किसानों के साथ हुई धोखाधड़ी:-

इसके अलावा मिठू सिंह पुत्र जोरा सिंह के 87000 रुपये, जो अब बढ़कर 1 लाख 27 हजार रुपये हो गए है, जिन्होंने पेमेंट समिति को चुकाने के बाद भी डिफाल्टर घोषित किये गए। ठीक इसी तरह से दर्जनों किसानों के साथ नो ड्यूज देकर बैंक में पैसा जमा नहीं करवाकर किसानों के साथ धोखाधड़ी की गई है।

गौ ग्राम सेवा संघ राजस्थान द्वारा महुवा निवासी गौ पुत्र अवधेश अवस्थी को राजस्थान प्रदेश का वरिष्ठप्रदेश उपाध्यक्ष बनाया

शफीक अली

महुवा (रॉयल पत्रिका)। महुवा गौ ग्राम सेवा संघ राजस्थान द्वारा गौ सेवा में अपना जीवन समर्पित करने वाले महुवा निवासी गौ पुत्र अवधेश अवस्थी को गौ ग्राम सेवा संघ राजस्थान का प्रदेश उपाध्यक्ष सर्व सहमति से बनाया गया है। गौ पुत्र अवधेश अवस्थी को गौ ग्राम सेवा संघ राजस्थान का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर संपूर्ण देश सहित राजस्थान के गौ भक्तों गौशाला संचालकों गो प्रेमियों द्वारा खुशी जताते हुए गौ ग्राम सेवा संघ राजस्थान के समस्त पदाधिकारी मार्गदर्शन मंडल के साधु संतों का आभार जताते हुए मिठाई बांट कर गौ पुत्र अवधेश अवस्थी का माला साफा पहनाकर स्वागत सत्कार किया गया। गौ ग्राम सेवा संघ राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष ललित दाधीच चूरू ने बताया कि गौ ग्राम सेवा संघ राजस्थान द्वारा संघ के मार्गदर्शक नरपत सिंह शेखावत, नवरंग लाल से विचार-विमर्श के बाद में गौ ग्राम सेवा संघ राजस्थान ने अपनी प्रदेश कार्यकारिणी, प्रदेश संरक्षक मंडल, प्रदेश परामर्श मंडल और प्रदेश मार्गदर्शक मंडल की घोषणा की। गौ ग्राम सेवा संघ की प्रदेश समिति में प्रदेश संरक्षक मंडल

में पूज्य संत, महंत, महामंडलेश्वर का पावन सानिध्य व आशीर्वाद रहेगा और संघ के मार्गदर्शक मंडल में संघ के पूर्व वरिष्ठ पदाधिकारी, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ व विश्व हिंदू परिषद की विचारधारा को पोषित करने वाले वरिष्ठ गौ भक्त, गौ सेवक, गौशाला संचालकों का मार्गदर्शन रहेगा, और पंचगव्य उत्पादन, जैविक कृषि, गौशाला, गोवंश व गोवंश चिकित्सा आदि के विशेषज्ञों का परामर्श मंडल बनाया गया है। वह पूरे राजस्थान के लगभग सभी जिला मुख्यालय से सक्रिय गौशाला संचालकों का प्रदेश कार्य समिति व कार्यकारीणी मैं समावेश करते हुए गठन किया गया है। गौपुत्र अवधेश अवस्थी ने गौ ग्राम सेवा संघ राजस्थान के साथ जुड़े पूज्य संतवृंद, गौशाला संचालक, वरिष्ठ जन, सक्रिय गौ भक्त, गौ सेवकों को नये दायित्व देने के लिए के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं, बहुत-बहुत बधाईयां देते हुए सभी का धन्यवाद दिया। इस अवसर पर गौपुत्र अवधेश अवस्थी ने कहा कि आप सबके साथ गौ माता के आशीर्वाद से आप सभी गौ भक्तों ने आप हम सब के राजस्थान की गौशालाओं के लिए सक्रिय प्रतिनिधि संगठन "गौ ग्राम सेवा संघराजस्थान" का वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष मुझे जैसे छोटे से गांव के गौ सेवक को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है उसके लिए मं" आप सभी का हार्दिक अभिनंदन, स्वागत करते हुए आप सबको पूरे मन कर्म वचन से विश्वास दिलाता हूं कि आपने जो मुझे जिम्मेदारी सौंपी है उसे मैं तन मन धन से पूर्ण करते हुए गौ माता के संरक्षण और संवर्धन के साथ राजस्थान गौ सेवा संघ की विचारधारा को सभी गौ भक्तों, गौप्रेमियों, गौशाला संचालकों, गौ पालकों, तक पहुंचाने का कार्य जीवन के अंतिम समय तक गौ माता के साथ आप सबके प्रेम आशीर्वाद से करूंगा।

अंजुमन इस्लामियां कमेटी की बैठक में सदर माजिद सलीम ने कमेटी भंग की

-16 जनवरी को होगा अंजुमन सदर का चुनाव

बारां (रॉयल पत्रिका) । मदरसा अंजुमन इस्लामियां बारां की अंजुमन कमेटी की बैठक 31 दिसंबर 2025 बुधवार को अंजुमन मदरसे में सदर माजिद सलीम की सदारत में संपन्न हुई। बैठक में सदर माजिद सलीम ने बताया कि 16 जनवरी 2026 को कमेटी का 3 साल का कार्यकाल पूरा हो जाएगा । इस लिए उन्होंने कमेटी के भंग होने की घोषणा की, ओर 16 जनवरी 2026 को तय समय पर अंजुमन कमेटी के नए सदर के चुनाव करवाने की घोषणा की। प्रेस प्रवक्ता शाहिद इकबाल भाटी ने बताया कि सदर माजिद सलीम ने अंजुमन के निष्पक्ष चुनाव करवाने के लिए एक कमेटी का गठन किया, जिनमें एडवोकेट फिरोज खान, एडवोकेट रईस हाशमी, मास्टर शौकत अंसारी, मास्टर अनवर अली, मास्टर अब्दुल सलाम दिलावर को चुनाव कमेटी में शामिल किया है जिनकी देखरेख में पूरी चुनावी प्रक्रिया

सम्पन्न होगी। चुनावी प्रकिया की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 05 जनवरी 2026 को सभी पंचायतों को रुक्के जारी कर दिए जाएंगे। जिसमें सभी पंचायतों द्वारा अपनी पंचायतों से बेहतर तालीम याफ़्ता एक सदस्य भेजने की गुजारिश की, ताकि अंजुमन में आकर तालीम के इस इदारे को मजबूती दे सके। रुकके अंजुमन में जमा करने की आखिरी तारीख 11 जनवरी 2026 रखी गई है। अंजुमन सदर माजिद सलीम ने शहर की सभी पंचायतों से अपील की है के वो अपनी-अपनी पंचायतों में पारदर्शिता ओर बिना किसी मनमुटाव के साथ एक सदस्य भेजे, ओर किसी तरह के विवाद की स्थिति में चुनाव कमेटी के सभी सदस्यों के सामने अपनी बात को रखे, ताकि समाज की तमाम समस्याओं का समाधान समाज के अंदर ही हो सके और प्रशासन को किसी भी तरह समाज के इस नुमाइंदगी के काम में शामिल करना न पड़े।

बैठक में ये रहे मौजूद

अंजुमन कमेटी के बैठक में भाईजान एडवोकेट नवीद अशफाक रजा, नायब सदर जाकिर मंसूरी, सेकेट्री मोहम्मद आसिफ भाईजान, खजांची अशफाक मयूर, तालीम कन्वीनर मोहम्मद सलाम दिलावर, प्रोग्राम कन्वीनर इकबाल नेता, पप्पू नेता, सलीम मंसूरी, मोहम्मद हुसैन, सद्दाम हुसैन, इकबाल रीगल, शकील भाई, गयासुद्दीन सप्पू भाई सहित अन्य मेंबर मौजूद रहे।

मुस्लिम समाज द्वारा भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष बनने पर किया स्वागत

इकबाल मोहम्मद शाह

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। बनेड़ा मुस्लिम समाज की ओर से माताजी खेड़ा चौराहे पर समाज सेवी नियाज मोहम्मद सिलावट ने भीलवाड़ा ग्रामीण के कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के नव नियुक्त जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह का माला व साफा बंधवाकर जबरदस्त स्वागत किया गया जिसमें इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भीलवाड़ा ग्रामीण जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का स्नेह और विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और कांग्रेस अल्पसंख्यक संगठन को मजबूत करके राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी व प्रदेश अध्यक्ष एमडी चोपदार का हाथ मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा कार्यक्रम के दौरान आपसी संवाद हुआ और क्षेत्र के संगठन से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई। इस दौरान नियर मोहम्मद सिलावट, इकबाल मोहम्मद छिपा, इब्राहिम पठान, इमरान पठान, इमरान अंसारी, लतीफ मोहम्मद छीपा, निसार मोहम्मद छिपा शहजाद अली शाह मौजूद रहे।

श्री श्याम शाखा सेवा समिति महुवा के तत्वाधान में खाटू श्याम जी बस यात्रा श्याम बाबा के जयकारों के साथ रवाना

शफीक अली

महुवा (रॉयल पत्रिका)। महुवा उपखंड मुख्यालयपर समाज सेवा में कार्यरत श्री श्याम सखा सेवा समिति रजि. के तत्वावधान में 50 सदस्यों से भरी बस श्याम बाबा के जयकारों के साथ खाटू श्याम जी के लिए रवाना हुई। श्री श्याम सखा सेवा समिति रजि. के मीडिया प्रभारी गो पुत्र अवधेश अवस्थी ने बताया कि समिति के अध्यक्ष नेमीचंद अग्रवाल की अध्यक्षता में श्री श्याम सखा सेवा समिति महुवा के सदस्यों से एक भरी हुई बस 50 सीटर बाबा श्री श्याम धनी के जयकारे लगाते हुए शनिवार को प्रातः 9:00 बजे महुवा से खाटू श्याम जी के लिए रवाना हुई श्याम भक्तों से भरी बस मेहंदीपुर बालाजी दौसा सैथल चौमू रिंगस होते हुए खाटू श्याम जी धाम पहुंची। जहां सभी भक्तों द्वाराखाटू श्याम जी पहुंचकर

श्याम बाबा के कीर्तन कर खाटू श्यामबाबा का भोग लगाया गया। अध्यक्ष नेमीचंद अग्रवाल खेड़ली वाले ने बताया कि बस हर महा की पूर्णिमा को श्री श्याम सखा सेवा समिति महुआ द्वारा बाबा खाटूश्याम जी के मंदिरजाती है। इस दौरान श्री श्याम सखा सेवा समिति रजि. के अध्यक्ष नेमीचंद खेड़ली वाले, कोषाध्याक्ष सतीश कानूनगो, मंत्री सुदीप गोयनका, विपिन सिंघल, मंडी नीरज बंसल, ब्रजबिहारी गोयल, सतनारायण गोयल, हुकुम गोयल, दीपक, धर्मेश, सत्य प्रकाश, सतीश पावटा, गोविंद, बृजवल्लभ, प्रभु दयाल, खुशीराम भुसावर, भोला सिंह भुसावर, त्रिलोक, बबली बंसल, कविता, प्रवीणलता, संतोष, अनित, कशिश, ममता, करीब पांच दर्जन महिला पुरुष, श्रद्धालुखाटूश्याम जी के लिए खाटू श्याम जी के जय कार्य लगाते हुए भजन कीर्तन करते हुए रवाना हुए।

घमुड़वाली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, डोडा पोस्त के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। श्रीगंगानगर जिले के घमुड़वाली थाना क्षेत्र से नशे के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। रिडमलसर इलाके में पुलिस ने डोडा पोस्त की तस्करी करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई लालेवाला तिराहा के पास CI राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में अंजाम दी गई। पुलिस टीम ने मौके से देवेंद्र और राजेश नामक दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से कुल 1 किलो 572 ग्राम डोडा पोस्त छिलका बरामद किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी रिडमलसर क्षेत्र के ही निवासी हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के

तहत मामला दर्ज कर लिया है। नशे के इस अवैध कारोबार से जुड़े नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने के लिए आरोपियों से सख्ती से पूछताछ की जा रही है, ताकि सप्लाई चेन और अन्य संलिप्त लोगों का पता लगाया जा सके। इस प्रकरण का आगे का अनुसंधान पदमपुर थानाधिकारी सुमन जयपाल को सौंपा गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में नशे के खिलाफ अभियान लगातार और सख्ती के साथ जारी रहेगा, ताकि युवाओं को इस घातक लत से बचाया जा सके।

ढिढारिया मेमोरियल शिक्षण संस्थान मेलुसर बिकान का वार्षिकोत्सव समारोह आयोजित

चुरु/भालेरी (रॉयल पत्रिका)। निकटवृत्ति के ढिढारिया मेमोरियल शिक्षण संस्थान मेलुसर बिकान का वार्षिकोत्सव समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति जिला अध्यक्ष सीवील राइट सोसायटी चूरू ने कार्यक्रम की शुरुआत बालिका शिक्षा पर स्वरचित राजस्थानी कविता छुटगी पढ़ाई रे, बाबलै कठै परणाई रे। नौकरानी समझै,समझै पराई रे, छात्रों को सुनाकर की । उन्होंने कहा कि प्यारे बच्चों मेहनत का कोई सोर्ट कट नहीं हो ता है पढ़ाई में धर्य रखते हुए निरन्तरता होनी चाहिए, नकारात्मक सोच की परवाह न करते हुए लक्ष्य की ओर अग्रसर रहना चाहिए और पढ़ाई में तनाव न रखते हुए लिखकर याद करना चाहिए, उन्होंने बच्चों को प्रातः जल्दी उठकर कम से कम तीन घण्टे घर पर पढ़कर आने की प्रेरणा दी और स्मार्टफोन फोन 21वर्ष से पहले न देखने का बच्चों को स्वैच्छिक संकल्प दीलाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. बनवारी लाल शर्मा शिशु रोग विशेषज्ञ सरदार शहर ने बच्चों को चिकित्सा के क्षेत्र में करियर की जानकारी देते हुए सुस्वास्थ्य के टिप्स बताये, कार्यक्रम की अध्यक्षता पुर्व सरपंच मानाराम ने की। प्रधानाचार्य अनिल कुमार ने आगन्तकों का धन्यवाद दिया,

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अजय बलियारा, लियाकत अली बैंक मैनेजर, रामजस चाहर, परमेश्वर सहारण ने भी बच्चों को संस्कारित शिक्षा पर संबोधित किया। इस अवसर पर बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में महेंद्र प्रजापत, ताराचंद, रोहिताश, हंसराज, भंवर लाल प्रजापत सहित सैकड़ों ग्रामीण जन व बालिकाओं, महिलाओं ने सहभागिता दी। कार्यक्रम का संचालन देवरुप ने किया।

पाली में दूसरी बार होगा 108 जोड़ों का सनातनी सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। भागीरथी गौ सेवा संस्थान, पाली के तत्वावधान में पाली जिले में दूसरी बार 108 जोड़ों का विशाल सनातनी सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन रविवार, 26 अप्रैल 2026, वैशाख माह शुक्ल पक्ष दशमी को माजीसा नगर, सोमेसर–खिवाड़ा रोड, भादरलाउ, जिला पाली में संपन्न होगा। इस संबंध में आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें संत मनोहर दास जी महाराज ने बताया कि यह सामूहिक विवाह सम्मेलन विशेष रूप से अनाथ, असहाय एवं असमर्थ परिवारों के लाभार्थ आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य सनातन संस्कृति के मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए सामाजिक समरसता को मजबूत करना है। संत मनोहर दास जी महाराज ने कहा कि इस प्रकार के सामूहिक विवाह आयोजनों से समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सम्मानजनक जीवन की शुरुआत करने का अवसर मिलता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला प्रवक्ता तिलोक चौधरी एवं समाजसेवी अजय वैष्णव उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला प्रवक्ता तिलोक चौधरी ने बताया कि संस्था द्वारा विवाह हेतु पंजीकरण प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है और इच्छुक अभिभावक शीघ्र संपर्क कर सकते है। वर-वधु को दी जाने वाली आवश्यक सामग्री भक्तों एवं भामाशाहों के सहयोग से उपलब्ध कराई जाएगी। समाज के भामाशाह अपने सामर्थ्य के अनुसार सहयोग कर इस पुनीत कार्य के सहभागी बन सकते हैं।

मदरसा दारुल उलूम सैयदना तौकीर हसन चिश्ती में महफिल-ए-मिलाद, जलसा का आयोजन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर सैनिक बस्ती स्थित मदरसा दारुल उलूम सैयदना तौकीर हसन चिश्ती में कुरआन शरीफ का मुकम्मल होना छात्रों द्वारा कठ्न्थ याद करना हाफ़िज़-ए-कुरआन होने पर एक अजीम ओ शान महफ़िल-ए-मिलाद का आयोजन किया गया । जिसकी अध्यक्षता मदरसा के सदर हाजी उस्मान गनी दिलावर खानी ने की कार्यक्रम में खास मेहमान हजरत सैयद मुमताज शाह एवं सैयद मकबूल साहब मौजूद रहे । मदरसा के छात्रों ने नाते पाक प्रस्तुत की हिफज करने वाले तीन छात्रों का फूल माला व साफा बांधकर सम्मान किया गया। जिसमें हाफिज सुलेमान, हाफिज अरमान, हाफिज ओवैस, का खास मेहमानों ने स्वागत किया। मदरसा के प्रिंसिपल मुफ्ती गुलशेर रजा मिस्बाही ने सभी आए हुए मेहमानों का फूल मालाओं से स्वागत किया। आपने कहा मिलाद-ए-महफिल में खास तिलावत-ए-कुरान की आयतो से आगाज़ किया जाता है और अल्लाह की तारीफ और

हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की शान में कलाम यानी हम्द ओर नात पढ़ें जाते हैं। दुआ-ए-खत्म-ए-कुरान यह सबसे खास वक्त होता है जब कुरान पूरा होने की खुशी में अल्लाह से मगफिरत और बरकत की दुआ मांगी जाती है। नसीहत-ओलमा या बड़े बुजुर्ग कुरान की तालीमात पर अमल करने की ताकिद करते हैं। तबरूक-अंत में मेहमानों के लिए प्रसाद, मिठाई, शिरनी या खाने का इंतजाम होता है। अल्लाह हमारे इस कोशिश को कबूल फरमाए और कुरान की रोशनी आपके घर और दिल में हमेशा कायम रखें। रोनके स्टेज पर मौलाना फैजान, मौलाना सहाबुद्दीन, मौलाना शब्बीर, मौलाना याकूब, कारी कुर्बान अली, हाफ़िज़ अब्बास, मौलाना अहमद अली, मौलाना शाकिर, हसनैन एवं मदरसा कमेटी के सदर हाजी उस्मान गनी खां, मोहम्मद सलीम खां सर्वा, हाजी जमालुद्दीन, साबिर खान आदि मौजूद रहे। अल्लामा सैयद साहब ने दुआ की और सलातो-सलाम के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ प्रिंसिपल मुफ्ती गुलशेर रज्जा ने आए हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

कल्ला एवं गौड़ परिवार ने मेडिकल कॉलेज में की नेबुलाइजर मशीन भेंट

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय चूरू में डॉ. राहुल कल्ला एवं हिमांशु कल्ला ने अपने दादाजी शिक्षाविद् स्व: जमनाधर कल्ला एवं समाजसेवी अय्यूब खान गौड़ ने अपने माता-पिता नबी बख्श खान गौड़ एवं सुगरा गौड़ की पुण्य स्मृति में मेडिकल कॉलेज चूरू प्रिंसिपल डॉ. एम.एम पुकार को नेबुलाइजर मशीने भेंट की गई। इस अवसर पर कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष एडवोकेट सुरेश कुमार कल्ला, पूर्व अधीक्षक डॉ. एफ.एच गौरी, डॉ. अरूण वर्मा, डॉ. बजरंग सौनी, मोहम्मद अली पठान, एडवोकेट बिलाल खान गौड़, एडवोकेट समीर खान गौड़, अरमान गौड़ इत्यादि उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. पुकार ने कहा कि कल्ला एवं गौड़ परिवारों ने अपनी पुरुषार्थ से कमाए हुए पैसे से ये सेवा कार्य किया है जो प्रशंसनीय है।

जिला नल मजदूर इंटक पदाधिकारी महा अधिवेशन ब्यावर के लिए चूरू से रवाना

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से आज राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस राजस्थान इंटक के 24 वां महा अधिवेशन मजदूर महापंचायत के लिए चूरू नल मजदूर इंटक के पदाधिकारी ब्यावर अधिवेशन के लिए चुरू से रवाना हुए। जिसमें अयूब खान, संजय कुमार गुर्जर, शंकर लाल सैनी, श्रवण कुमार, अशोक कुमार गुर्जर, मनीष कुमार वर्मा आदि रवाना हुए। दो दिवसीय सम्मेलन ब्यावर में होगा जिसमें इंटक के अधिवेशन में मजदूरों की समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चाएं होंगी।

एनपीएस में ऐतिहासिक सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पेंशन परिदृश्य को नया रूप देने के लिए, पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली को मजबूत करने, फंड प्रबंधन में भागीदारी बढ़ाने और शासन व पारदर्शिता सुधारने के लिए व्यापक सुधारों को मंजूरी दी है। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक इस बदलाव की सबसे बड़ी बात यह है कि अब अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक स्वतंत्र रूप से एनपीएस परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए पेंशन फंड स्थापित कर सकेंगे। यह मौजूदा मानदंडों से एक बड़ा बदलाव है, जो बैंकों की भागीदारी को सीमित करते थे। पीएफआरडीए का कहना है कि इससे पेंशन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा गहराएगी, नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और न्यासी देखरेख मजबूत होगी। नए ढांचे के तहत केवल अच्छी पूंजी और मजबूत वित्तीय स्थिति वाले बैंकों को ही पेंशन फंड का प्रायोजक बनने की अनुमति दी जाएगी। पात्रता नेट वर्थ, बाजार पूंजीकरण और वित्तीय मजबूती जैसे मानदंडों पर निर्भर करेगी, जो भारतीय रिज़र्व बैंक के मानदंडों के अनुरूप होंगे। विस्तृत पात्रता मानदंड और परिचालन दिशा-निर्देश जल्द ही अधिसूचित किए जाएंगे और ये नए प्रवेशकों और मौजूदा पेंशन फंड दोनों पर लागू होंगे।

नए ट्रस्टी- दिनेश कुमार खारा (भूतपूर्व अध्यक्ष, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया), स्वाति अनिल कुलकर्णी (भूतपूर्व कार्यपालक उपाध्यक्ष, यूटीआई एसेट मैनेजमेंट कंपनी) और अरविंद गुप्ता (सह-संस्थापक, डिजिटल इंडिया फाउंडेशन)।

एसबीआई लाइफ और बीसीसीआई ने 'मीट एंड ग्रीट' का यादगार अवसर प्रदान किया

भोपाल। वित्तीय सुरक्षा से इतर सपनों को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, भारत के सबसे भरोसेमंद जीवन बीमाकर्ताओं में से एक और बीसीसीआई के आधिकारिक भागीदार, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने कोलकाता के 'उदयन एनजीओ' की पाँच युवा लड़कियों के लिए एक विशेष 'मीट एंड ग्रीट' का आयोजन किया। एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम, विशाखापत्तनम में आयोजित इस कार्यक्रम ने इन बच्चियों को राष्ट्रीय महिला क्रिकेट टीम के सदस्यों के साथ आमने-सामने बातचीत करने का एक दुर्लभ और प्रेरणादायक अवसर प्रदान किया। उदयन एनजीओ की इन पाँच लड़कियों- सुपर्णा महतो (9), एंजेल बाउरी (10), रोशनी कर्मकार (10), मिनाती बास्के (10) और अनुराधा मांडी (11) ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कुछ सबसे प्रसिद्ध खिलाड़ियों, जिनमें हरमनप्रीत कौर, स्नेह राणा, शेफाली वर्मा और हरलीन देओल शामिल थीं, के साथ एक यादगार दिन बिताया। एसबीआई लाइफ और बीसीसीआई द्वारा सुलभ कराए गए इस मंच पर इन बच्चियों ने दिग्गज क्रिकेटरों के साथ प्रैक्टिस नेट्स में भी कदम रखा। हँसी-मजाक, उत्साह और विश्व चैंपियनों के साथ हुई आत्मीय बातचीत ने इस दिन को वास्तव में यादगार बना दिया, जिससे लड़कियों के मन पर एक अमिट छाप पड़ी और उन्हें साहस व आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्यों को पाने की प्रेरणा मिली। एसबीआई लाइफ का निरंतर चलने वाला कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम वंचित बच्चों की शिक्षा, समग्र विकास और उनके सपनों का समर्थन करके उन्हें आगे बढ़ने में मदद करता है।

सतना सीमेंट द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

सतना। बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड यूनिट सतना सीमेन्ट वर्क्स, सतना द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति सदैव कटिबद्ध है। इसी के परिपालन में संस्थान द्वारा समय-समय पर अनेकों सामाजिक एवं विकास कार्यों का निष्पादन किया जाता रहा है। सतना सीमेन्ट के प्रेसीडेंट श्री कौशल मिश्रा जी का यही ध्येय है कि सीमेन्ट प्लांट की प्रगति के साथ-साथ प्लांट के आसपास के गांवों का भी समग्र विकास हो और ग्रामीण किसान की अजीविका सुदृढ हो तथा स्वास्थ्य उत्तम रहे। उक्त शिविर के सुचारू संचालन व सफलता में स्थानीय ग्रामीण जन आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का अहम् योगदान रहा।

यूपीआई से रिकॉर्ड 27.97 लाख करोड़ के ट्रांजैक्शन, 29 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी।
बीते दिसंबर में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस से होने वाले लेन-देन में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में यूपीआई के जरिए 21.63 अरब सौदे हुए, जो पिछले साल की तुलना में 29 प्रतिशत ज्यादा हैं। वहीं, इन सौदों की कुल राशि भी 20 प्रतिशत बढ़कर 27.97 लाख करोड़ रुपए हो गई।

महीने के हिसाब से भी यूपीआई लेन-देन की संख्या और रकम में अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई। दिसंबर में रोजाना औसतन 90,217 करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ, जबकि नवंबर में यह आंकड़ा 87,721 करोड़ रुपए था। दिसंबर में रोजाना औसतन 698 मिलियन (करीब 69.8 करोड़) यूपीआई लेन-देन हुए, जो नवंबर के

682 मिलियन से ज्यादा हैं। नवंबर महीने में यूपीआई ट्रांजैक्शन की संख्या 20.47 अरब रही थी, जो सालाना आधार पर 32 प्रतिशत की बढ़त थी। उस महीने लेन-देन की कुल राशि 26.32 लाख करोड़ रुपए रही थी, जिसमें 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी।

इसी दौरान, इंस्टेंट मनी ट्रांसफर सिस्टम (आईएमपीएस) के जरिए दिसंबर में कुल 6.62 लाख करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ। यह पिछले साल की तुलना में 10 प्रतिशत ज्यादा है और नवंबर के 6.15 लाख करोड़ रुपए से भी अधिक है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अब 70.9 करोड़ सक्रिय यूपीआई क्यूआर कोड हैं। जुलाई 2024 के बाद इनकी संख्या में 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। किराना दुकानों, मेडिकल स्टोर, बस-अड्डों, रेलवे स्टेशनों और गांवों तक क्यूआर कोड की सुविधा पहुंच जाने से अब स्कैन करके भुगतान करना पूरे देश में आम हो गया है।रिपोर्ट में बताया गया कि व्यक्ति से दुकानदार (पी2एम) वाले लेन-देन, व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) लेन-देन से ज्यादा रहे। इसका मतलब है कि लोग रोजमर्रा की खरीदारी में यूपीआई का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। पी2एम ट्रांजेक्शन 35 प्रतिशत बढ़कर अब 37.46 अरब हो गए, जबकि पी2पी ट्रांजैक्शन 29 प्रतिशत बढ़कर 21.65 अरब हो गए। औसतन हर लेन-देन की राशि 1,262 रुपए हो गई, जो पहले 1,363 थी।

आईसीआईसीआई बैंक ने कैपिटल गेन्स अकाउंट स्कीम लॉन्च की

मुंबई, एजेंसी। आईसीआईसीआई बैंक ने आज कैपिटल गेन्स अकाउंट स्कीम को लॉन्च करने की घोषणा की। इस स्कीम के तहत ग्राहक निर्दिष्ट पूंजीगत परिसंपत्तियों की बिक्री से प्राप्त, अभी निवेश न की गई दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ या बिक्री राशि जमा कर सकते हैं। इससे वे जमा राशि पर ब्याज कमाते हुए, अधिकतम तीन वर्षों तक कर-छूट का लाभ ले सकते हैं। यह लॉन्च भारत सरकार द्वारा आईसीआईसीआई बैंक को सीजीएएस जमा संभालने के लिए अधिकृत संस्था के रूप में मंजूरी दिए जाने के बाद किया गया है। 1 जनवरी, 2026 से यह स्कीम निवासी व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों के लिए उपलब्ध है। जल्द ही यह गैर-व्यक्तियों और एनआरआई के लिए भी उपलब्ध होगी। यह उन करदाताओं के लिए उपयोगी है जो आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि से पहले दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ का पुनर्निवेश नहीं कर पाते। ग्राहक अपने नजदीकी आईसीआईसीआई बैंक शाखा (सीजीएएस नियमों के अनुसार ग्रामीण शाखाओं को छोड़कर) में जाकर कैपिटल गेन्स अकाउंट खोल सकते हैं। आईसीआईसीआई बैंक के एक प्रवक्ता ने कहा, हम भारत सरकार का धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने आईसीआईसीआई बैंक को सीजीएएस जमा के लिए अधिकृत संस्था के रूप में मान्यता दी। इस स्कीम के माध्यम से ग्राहक निवेश न की गई दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ राशि को सुरक्षित रख सकते हैं, उस पर ब्याज कमा सकते हैं और अधिकतम तीन वर्षों तक पुनर्निवेश की योजना बनाते हुए कर-छूट का दावा कर सकते हैं।

98.4 प्रतिशत से अधिक करेंसी बैंकों में लौटी

2000 के नोटों पर बड़ा अपडेट, जानें अब क्या है स्थिति

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने ?2000 के नोटों को वापस लेने की प्रक्रिया पर एक महत्वपूर्ण अपडेट जारी किया है। आरबीआई के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, प्रचलन से हटाए गए ?2000 के कुल नोटों में से 98.41 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ चुके हैं। 19 मई, 2023 को शुरू हुई इस प्रक्रिया के बाद अब बाजार में इस मूल्यवर्ग के बहुत ही कम नोट शेष रह गए हैं।

?3.56 लाख करोड़ से ?5,669 करोड़ तक का सफर: रिजर्व बैंक द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, जब 19 मई, 2023 को इन नोटों को वापस लेने की घोषणा की गई थी, तब बाजार में कुल ?3.56 लाख करोड़ मूल्य के ?2000 के नोट प्रचलन में थे। 31 दिसंबर, 2025 को कामकाज की समाप्ति तक, यह मूल्य घटकर मात्र ?5,669 करोड़ रह गया है। यह डेटा दर्शाता है कि पिछले ढाई वर्षों में भारतीय नागरिकों और संस्थाओं ने उच्च मूल्य वाली इस मुद्रा को वापस करने में सक्रियता दिखाई है।

आरबीआई ने साफ किया है कि भले ही ये नोट अब आम लेनदेन के लिए बैंक शाखाओं में स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं, लेकिन ये अभी भी लीगल टेंडर (वैधानिक मुद्रा) बने हुए हैं। नोटों को वापस करने की समयसीमा में कई बदलाव किए गए थे। देश की सभी बैंक शाखाओं में ?2000 के नोटों को जमा करने या बदलने की सुविधा 7 अक्तूबर 2023 तक उपलब्ध थी।

9 अक्तूबर 2023 से, भारतीय रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में व्यक्ति या संस्थाएं सीधे जाकर अपने बैंक खातों में इन नोटों को जमा कर सकते हैं। आम जनता के लिए प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए, देश भर के किसी भी डाकघर से इंडिया पोस्ट के माध्यम से भी नोट भेजे जा सकते हैं। ये नोट सीधे आरबीआई के निर्गम कार्यालयों को भेजे जाते हैं और संबंधित व्यक्ति के बैंक खाते में राशि क्रेडिट कर दी जाती है। ?2000 के नोटों को वापस लेने का

निर्णय आरबीआई की क्लीन नोट पॉलिसी का हिस्सा था। नवंबर 2016 में विमुद्रीकरण के बाद बाजार में मुद्रा की तत्काल कमी को पूरा करने के लिए ये नोट पेश किए गए थे। विशेषज्ञों का मानना है कि इन नोटों की वापसी से बैंकिंग तरलता में सुधार हुआ है और उच्च मूल्य के नोटों के माध्यम से होने वाली संभावित जमाखोरी पर भी अंकुश लगा है।

हालांकि 98 प्रतिशत से अधिक नोट वापस आ चुके हैं, लेकिन शेष ?5,669 करोड़ मूल्य के नोटों की वापसी की प्रक्रिया अब भी जारी है। आरबीआई ने जनता से अपील की है कि जिनके पास अभी भी ये नोट बचे हैं, वे आरबीआई के निर्दिष्ट कार्यालयों या डाक विभाग की सुविधा का उपयोग करके इन्हें जल्द से जल्द जमा करें। फिलहाल, आरबीआई ने इस प्रक्रिया को बंद करने की कोई अंतिम तारीख घोषित नहीं की है, जिससे नागरिकों के पास अपनी शेष राशि सुरक्षित करने का अवसर बना हुआ है।

एजीआर राहत के बाद अब वोडाफोन आइडिया को जीएसटी का झटका

फिर भी शेयर बुलिश

नई दिल्ली, एजेंसी।
वोडाफोन आइडिया के शेयरों में लगातार दूसरे दिन भी तेजी दर्ज की जा रही है। 638 करोड़ रुपये के जीएसटी जुर्माने के आदेश के बावजूद, निवेशक कंपनी की बैलेंस शीट को मजबूत करने के लिए प्रमोटरों द्वारा किए गए बड़े पूंजी निवेश और सरकार द्वारा कर्ज में डूबी इस टेलीकॉम कंपनी को दी गई राहत को लेकर उत्साहित हैं।

बीएसई पर सुबह के कारोबार में वोडाफोन आइडिया का शेयर भाव 3 प्रतिशत बढ़कर 11.95 रुपये के दिन के उच्चस्तर पर पहुंच गया। पिछले दो कारोबारी सत्रों में इस टेलीकॉम स्टॉक ने 11 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की है, जिससे बुधवार को सरकार द्वारा एजीआर लायबिलिटी पर आंशिक राहत की खबरों के बाद देखी गई तेज गिरावट की भरपाई हो गई है।

पिछले एक साल में, एजीआर लायबिलिटी के समाधान, एआरपीयू (यूजर दर) में सार्थक सुधार और नुकसान में कमी की संभावनाओं के कारण वोडाफोन आइडिया के शेयरों में 47 प्रतिशत का उल्लेखनीय उछाल आया है। कंपनी ने गुरुवार शाम (1 जनवरी) को घोषणा की कि उसे अहमदाबाद के केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर के अतिरिक्त आयुक्त कार्यालय से कर के कम भुगतान और इनपुट टैक्स क्रेडिट के अधिक दावे के मामले में 638 करोड़ रुपये के जीएसटी

जुर्माने का आदेश मिला है। एक्सचेंज फाइलिंग में वोडाफोन आइडिया ने कहा कि वह इस आदेश से सहमत नहीं है और इसके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करेगी। इस कर आदेश के बावजूद, सरकारी राहत पैकेज और प्रमोटरों द्वारा पूंजी निवेश की घोषणाओं ने इस लार्ज-कैप स्टॉक में निवेशकों के विश्वास को बनाए रखने में मदद की। कैबिनेट ने वोडाफोन आइडिया की एजीआर लायबिलिटी को 87,695 करोड़ रुपये पर स्थिर कर दिया है।

चर्चित कंपनी को मिला 10000 करोड़ का ऑर्डर, 52 वीक हाई पर भाव

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिग्गज कंपनी लार्सेन एंड टुब्रो के शेयरों की कीमतों में आज 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का भाव जिसके बाद 52 वीक हाई पर पहुंच गया। नए साल पर मिले इस नए वर्क ऑर्डर की वजह से कंपनी का ऑर्डर बुक और मजबूत हो गया है। बता दें, इस ऑर्डर वैल्यू की कीमत 5000 करोड़ रुपये से 10,000 करोड़ रुपये के बीच है। एक्सचेंज को दी जानकारी में लार्सेन टुब्रो ने बताया है कि उनके मिनरल्स और मेटल्स वर्टिकल में एक बड़ा ऑर्डर है। यह ऑर्ड कंपनी को ङ्कङ्खरुसे मिला है। बता दें, दोनों कंपनियों के बीच पिछले कई दशकों से सम्बंध है।

4 दिन में कंपनी को मिला 15000 करोड़ रुपये काम- बीते महज 4 दिन में ही लार्सन एंड टुब्रो को 15000 करोड़ रुपये का काम मिल चुका है। सितंबर 2025 तक के डाटा के अनुसार कंपनी के पास 667000 करोड़ रुपये का काम है।

52 वीक हाई पर शेयर- बीएसई में आज कंपनी के शेयर 4140.40 रुपये के लेवल पर खुला था। लेकिन एक प्रतिशत से अधिक की तेजी के बाद यह स्टॉक 4171 रुपये के 52 वीक हाई पर पहुंच गए। एल एंड टी का 52 वीक लो लेवल 2967.65 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 573857 करोड़ रुपये का है। बीते तीन महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 13 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एक साल में इस धाकड़ कंपनी का शेयर 12 प्रतिशत चढ़ा है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 7.19 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। एल एंड टी के शेयरों की कीमतों में 5 साल में 221 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है।

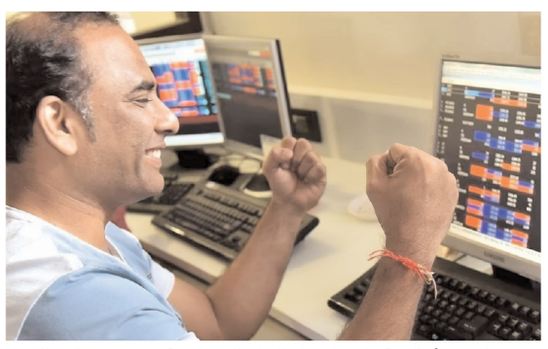

लगातार डिविडेंड दे रही है कंपनी- 2025 में कंपनी ने एक बार निवेशकों को डिविडेंड दिया था। तब कंपनी ने योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 34 रुपये का डिविडेंड दिया था। 2024 में कंपनी की तरफ से 28 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से डिविडेंड दिया गया था।

सिगरेट बनाने वाली कंपनियों के शेयर टूटे

टैक्स के बोझ तले दबे आईटीसी के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी।
सिगरेट बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में लगातार दूसरे दिन भी गिरावट है। शुरुआती कारोबार में ही आईटीसी और गॉडफ्रे फिलिप्स के शेयरों में 4 फीसद से अधिक की गिरावट है। असल में, एक फरवरी से तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर लगाने की अधिसूचना जारी किए जाने के बाद यह दबाव देखने को मिला। पिछले दो दिन में आईटीसी के शेयर करीब 13 पर्सेंट टूटकर 350 रुपये के आसपास आ गए हैं। वहीं, गॉडफ्रे फिलिप्स इन दो दिनों में करीब 20 पर्सेंट लुढ़का है। यह स्टॉक आज शुरुआती कारोबार में 2232 रुपये के आसपास ट्रेड कर रहा था। बता दें 1 जनवरी को दिग्गज कंपनी आईटीसी के शेयरों में भारी बिकवाली देखी

गई। सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में तेज गिरावट देखी गई। सिगरेट कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया के शेयर में 17.09 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। वहीं, आईटीसी के शेयरों में 9.69 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट इसलिए हुई कि केंद्र सरकार ने सिगरेट की लंबाई और फिल्टर के आधार पर प्रति एक हजार स्टिक पर 2050 रुपये से लेकर 8500 रुपये तक का टैक्स की अधिसूचना जारी कर दी है। वहीं, कच्चे तंबाकू पर 60-70 फीसदी का उत्पाद शुल्क लगाने की बात कही गई है। पान मसाला, सिगरेट, सिगार, हुक्का, जर्दा और सुगंधित तंबाकू समते सभी तंबाकू उत्पादों पर वर्तमान में 28 प्रतिशत जीएसटी लगाया जाता था।

80000 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न

अब शेयर बांटने की तैयारी, 4 दिन का बस और इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी।
श्री अधिकारी ब्रदर्श टेलीविजन नेटवर्क के शेयरों की कीमतों में गुरुवार को 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा है। इस मल्टीबैगर स्टॉक ने शेयरों के बंटवारे को लेकर बड़ा फैसला किया है। कंपनी की तरफ से दी जानकारी में कहा गया है कि 6 जनवरी 2026 को बोर्ड की मीटिंग है। इसी मीटिंग में स्टॉक स्प्लिट पर फैसला होगा। बता दें, गुरुवार, 1 जनवरी को श्री अधिकारी ब्रदर्श टेलीविजन नेटवर्क के शेयर 1635 रुपये के लेवल पर खुले थे। अपर सर्किट लगने के बाद मल्टीबैगर स्टॉक का भाव बीएसई में 1680 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। मार्केट के बंद होने के समय पर शेयर बीएसई में 3.71 प्रतिशत की तेजी के साथ 1659.40 रुपये के स्तर पर था।

बीते एक महीने में श्री अधिकारी ब्रदर्श टेलीविजन नेटवर्क के शेयरों की कीमतों में 23 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक साल से शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 12.21 प्रतिशत का लाभ मिला है। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में बहुत उतार और चढ़ाव देखने को मिला है। बता दें, श्री अधिकारी ब्रदर्श टेलीविजन नेटवर्क का 52 वीक हाई 1749 रुपये और 52 वीक लो लेवल 349.15 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 4210 करोड़ रुपये का है।

भले ही बीता एक साल कंपनी के शेयर होल्डर्स के लिए चुनौती पूर्ण रहा है। लेकिन दो साल जिन निवेशकों ने शेयरों को होल्ड किया है उन्हें 48849.85 प्रतिशत का लाभ मिला है। तीन साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 67000 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई है। वहीं, 5 साल में

श्री अधिकारी ब्रदर्श टेलीविजन नेटवर्क लिमिटेड के शेयरों में 80064 प्रतिशत की तेजी आई है। इस कंपनी ने आखिरी बार निवेशकों को 2017 में डिविडेंड दिया था। तब एक शेयर पर 60 पैसे का डिविडेंड योग्य निवेशकों को मिला था।

60 लाख की नौकरी छोड़ी तो लोग थे हैरान

पत्नी संग शुरू किया ये काम, अब अमेरिका-ब्रिटेन में पहुंच रहा ब्रांड

नई दिल्ली, एजेंसी।
सफलता की कहानियां अक्सर बड़े फैसलों से शुरू होती हैं। बेंगलुरु के रहने वाले सुदर्शन एम.के. और प्रवलिका वी. की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। आईटी सेक्टर में एक दशक से अधिक समय तक शानदार करियर बनाने और विदेश में 60 लाख रुपये सालाना का पैकेज पाने वाले सुदर्शन ने अपने परिवार और उद्यमिता के सपने के लिए एक साहसी कदम उठाया। उन्होंने अपनी पत्नी प्रवलिका के साथ मिलकर द पिकल्स नाम के एक डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर स्टार्टअप की शुरुआत की। यह ब्रांड न केवल आंध्र प्रदेश के पारंपरिक और शुद्ध अचारों को दुनिया तक पहुंचा रहा है, बल्कि सुपरफूड्स और मिलेट्स के जरिए स्वस्थ जीवनशैली को भी बढ़ावा दे रहा है। आइए, यहां सुदर्शन एम.के. और प्रवलिका वी. की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

कॉर्पोरेट की चमक छोड़ उद्यमिता का सफर

सुदर्शन एम.के. और प्रवलिका वी. काफी पढ़े-लिखे कपल हैं। दोनों ने इंजीनियरिंग और एमबीए किया हुआ है। सुदर्शन पहले एक सफल आईटी प्रोफेशनल थे। संयुक्त अरब अमीरात में 60 लाख रुपये के पैकेज पर काम कर रहे थे। उन्होंने एक पारिवारिक इमरजेंसी के कारण भारत लौटने का फैसला किया। इतने शानदार पैकेज वाली नौकरी छोड़ने पर कई लोगों को ताज्जुब भी हुआ। हालांकि, वह अपना मन बना चुके थे। प्रवलिका भी आईटी

सेक्टर में काम कर रही थीं। दोनों ने मिलकर पहले एक ङ्कञ्ज कंसल्टिंग फर्म शुरू की। लेकिन, उनका दिल आंध्र प्रदेश के पारंपरिक अचारों के स्वाद को दुनिया तक पहुंचाने में लगा था। उन्होंने दिसंबर 2023 में ञ्जद्धद्ग पिक्ल्स की नींव रखी। अपनी मेहनत की कमाई से 25 लाख रुपये इस सपने को सच करने में लगा दिए। पति-पत्नी का स्टार्टअप उनके लिए सिर्फ एक बिजनेस नहीं है, बल्कि यह एक मिशन है। यह ब्रांड आंध्र प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं की ओर से तैयार पारंपरिक व्यंजनों पर आधारित है। सुदर्शन और प्रवलिका का उद्देश्य ग्राहकों को क्लीन-लेबल उत्पाद देना है, जिनमें न तो कोई आर्टिफिशियल रंग है और न ही प्रिजर्वेटिव। अचारों के अलावा, यह स्टार्टअप कर्नाटक के किसानों से सीधे जैविक मिलेट्स खरीदता है। इससे उन्हें उचित दाम मिलते हैं। उनका यह मॉडल स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ पारंपरिक स्वाद को आधुनिक पैकेजिंग में पेश करता है। किसी भी नए स्टार्टअप की तरह सुदर्शन और प्रवलिका के लिए भी रास्ता आसान नहीं था। शुरुआत में उन्हें लॉजिस्टिक्स, खराब डिलीवरी और ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस के भारी कमीशन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा। अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफार्मों पर निर्भर रहने के बजाय उन्होंने अपनी खुद की वेबसाइट और सीधे ग्राहकों से जुड़ने के मॉडल पर फोकस किया। वर्किंग कैपिटल की कमी के बावजूद उन्होंने गुणवत्ता से समझौता नहीं किया। उनके वेज अचार और नॉन-वेज अचार किफायती कीमतों पर उपलब्ध हैं। इसने ग्राहकों का भरोसा तेजी से जीता। मात्र एक साल के भीतर स्टार्टअप ने भारत सहित अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और खाड़ी देशों में 8,000 से अधिक ग्राहकों को अपनी सेवाएं दी हैं।

नए साल पर नेचुरल स्टार नानी ने फैंस को दिया सरप्राइज, द पैराडाइज का नया पोस्टर रिलीज़

नए साल की शुरुआत के साथ ही नेचुरल स्टार नानी ने अपनी आने वाली और सबसे ज्यादा इंतेज़ार की। जानेवाली फिल्म द पैराडाइज की रिलीज़ डेट का ऐलान करते हुए पोस्टर जारी किया, जिसके साथ उन्होंने 2026 में ब्लॉकबस्टर एंट्री मारी। सोशल मीडिया पर एक दमदार कैप्शन शेयर करते हुए नानी ने लिखा, '2026 में आपका स्वागत है यानी जड़ाल ज़मान हैप्पी न्यू ईयर #TheParadise 26 मार्च, 2026 को सिनेमाघरों में। यह फिल्म तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बंगाली, अंग्रेज़ी और स्पेनिश भाषाओं में रिलीज़ होगी। 'SLV सिनेमाज़ द्वारा निर्मित द पैराडाइज 26 मार्च, 2026 को आठ भाषाओं हिंदी, तेलुगु, तमिल, अंग्रेज़ी, स्पेनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम में बड़े स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही है। फिल्म की अंतरराष्ट्रीय पहचान को ध्यान में रखते हुए, निर्माताओं ने दुनियाभर के दर्शकों तक द पैराडाइज को पहुंचाने के लिए हॉलीवुड स्टार रयान रेनॉल्ड्स से संपर्क किया है, ऐसी खबरें हैं। मजबूत डायरेक्शन, शानदार कास्ट और ग्रैंड लेवल के साथ, द पैराडाइज सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि एक खास अनुभव बनने जा रही है।

कीर्ति कुल्हारी ने किया प्यार का ऐलान

को-एक्टर संग रिश्ते पर लगी मुहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई फिल्म या वेब सीरीज नहीं, बल्कि उनकी पर्सनल लाइफ है। 'पिंक' फिल्म में तापसी पन्नू के साथ नजर आ चुकीं कीर्ति कुल्हारी ने नए साल के मौके पर अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियली कंफर्म कर दिया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो शेयर कर अपने को-एक्टर राजीव सिद्धार्थ के साथ अपने रिश्ते का इशारा साफ तौर पर दे दिया। कीर्ति कुल्हारी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खूबसूरत वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उनके और राजीव सिद्धार्थ के कई फोटोज और अनसीन क्लिप्स शामिल हैं। इस वीडियो में दोनों को साथ में क्वालिटी टाइम बिताते, ट्रैवल करते और जिंदगी के खास पलों को एन्जॉय करते देखा जा सकता है। वीडियो के आखिर में शेयर की गई हार्ट वाली तस्वीर ने फैंस के सामने सब कुछ साफ कर दिया। इस वीडियो के साथ कीर्ति ने कैप्शन में लिखा, 'एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है। सभी को 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं।' कीर्ति के इस पोस्ट के बाद फैंस और सेलेब्स लगातार कमेंट सेक्शन में बधाइयां दे रहे हैं। कई लोग दोनों की जोड़ी को 'परफेक्ट' बता रहे हैं। कीर्ति कुल्हारी और राजीव सिद्धार्थ ने पॉपुलर वेब सीरीज 'फॉर मोर शॉट्स प्लीज' में साथ काम किया था। तभी से दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं थीं, लेकिन अब नए साल पर इस खास पोस्ट के साथ दोनों ने अपने प्यार पर मुहर लगा दी है। गौरतलब है कि कीर्ति कुल्हारी को फिल्म 'पिंक' से खास पहचान मिली थी, जिसमें उनके साथ तापसी पन्नू और अमिताभ बच्चन अहम भूमिकाओं में नजर आए थे।

'धुरंधर' के बाद अक्षय खन्ना ने शुरू की महाकाली की शूटिंग

साल 2025 के आखिरी महीने से बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर' का तूफान देखने को मिल रहा है। नए साल के साथ थिएटर में नई फिल्में रिलीज हुई, लेकिन रणवीर सिंह की फिल्म अब भी कमाई के मामले में रिकॉर्ड कायम रख रही है। फिल्म ने 15 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया। इस फिल्म में अक्षय खन्ना ने रहमान डकैत के किरदार से दर्शकों को खूब प्रभावित किया। हालांकि, इस किरदार की कहानी फिल्म के अगले पार्ट में शामिल नहीं होगी, जिसे 19 मार्च 2026 को रिलीज किया जाना है। अक्षय खन्ना ने 'धुरंधर' में निभाए गए किरदार के बाद अब 'महाकाली' फिल्म के लिए शूटिंग शुरू कर दी है। हाल ही में फिल्म की डायरेक्टर Puja Kolluru ने सेट से तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें अक्षय खन्ना कैमरे के पीछे और सेट पर नजर आए।

जिया शंकर संग सगाई की खबरों पर अभिषेक मल्हान का आया रिएक्शन

जिया शंकर और अभिषेक मल्हान पिछले कुछ वक्त से चर्चा में छाए हुए हैं। कई रिपोर्ट में ऐसा दावा किया गया कि दोनों डेट कर रहे हैं और जल्द ही गुपचुप सगाई करने वाले हैं। हालांकि, जिया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर इन बातों पर फुल स्टॉप लगा दिया हालांकि, अभिषेक मल्हान ने अभी तक अपना रिएक्शन नहीं दिया था। अब यूट्यूबर ने इस मुद्दे पर अपनी राय रखी। अभिषेक ने साफ-साफ कहा कि वो कंफर्म कर देना चाहते हैं कि उनका जिया के संग कोई लेना-देना नहीं है। इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर कर अभिषेक ने लिया,'मैं एक चीज क्लियर करना चाहता हूं, प्लीज मेरा नाम किसी के साथ मत जोड़ेद्ध मैं 3 साल पहले शो का हिस्सा था और वो चैप्टर वहीं खत्म हो गया- मेरी च्वाइस पहले से क्लियर थी और तबसे बदली नहीं है।' अभिषेक ने अपने पोस्ट में ये भी लिखा कि बहुत बुरा लगता है जब बार-बार एक ही बातें होती हैं। उन्होंने कहा कि वो किसी लिंक अप वाले गेम का हिस्सा नहीं बनना चाहते हैं। जिया शंकर ने अभिषेक मल्हान के रिएक्शन से पहले मिस्ट्री मैन के संग एक कोजी तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की थी। हालांकि, उस तस्वीर में मिस्ट्री मैन का फेस नजर नहीं आ रहा था। क्योंकि, एक्ट्रेस ने उनके चेहरे पर दिल वाली इमोजी का इस्तेमाल किया था। फोटो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा,'सारी गलत खबरों को 2025 में ही छोड़ दो।' आपको बता दें कि अभिषेक मल्हान और जिया एक साथ बिग बॉस ओटीटी 2 में दिखे थे।

अगस्त्य नंदा की इक्कीस ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर कमाए 7.28 करोड़ रुपए

अगस्त्य नंदा अभिनीत फिल्म इक्कीस ने रिलीज के पहले दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 7.28 करोड़ रुपए की कमाई की। फिल्म में नंदा ने अरुण खेत्रपाल की भूमिका निभाई है।वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में बसंतर की लड़ाई के दौरान खेत्रपाल 21 वर्ष की आयु में शहीद हो गए थे। उनके साहस और बलिदान के लिए उन्हें मरणोपरांत परम वीर चक्र से सम्मानित किया गया जिससे वह उस समय भारत के सर्वोच्च सैन्य सम्मान को प्राप्त करने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति बन गए।फिल्म निर्माताओं ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर पोस्ट के जरिए बॉक्स ऑफिस आंकड़े साझा किए। पोस्ट में फिल्म का पोस्टर भी था।उन्होंने पोस्ट पर लिखा,"बॉक्स ऑफिस पर साहस और वीरता की जीत। देश में पहले दिन फिल्म की कुल कमाई 7.28 करोड़ रुपए रही। इक्कीस सिनेमाघरों में। अपनी टिकटें बुक करें।दिनेश विजान के प्रोडक्शन बैनर मैडॉक फिल्म्स के तहत बनी इस फिल्म का निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया है। इसकी पटकथा राघवन ने अरिजीत बिस्वास और पूजा लाधा सुरती के साथ लिखी है।उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, आपका प्यार सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के बलिदान को सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। अभी टिकट बुक करेंउ इक्कीस के साथ सिनेमाघरों में साहस का अनुभव करें। फिल्म में दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र के साथ सिमर भाटिया, विवान शाह, सिकंदर खेर और जयदीप अहलावत भी अहम भूमिकाओं में हैं।

मैं तुम्हारा गला काट दूंगी

यामी गौतम ने याद किया थिएटर का पहला अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'हक' की सफलता का जश्न मना रही हैं। यामी कहा कि अपने शुरुआती दिनों के थिएटर अनुभव को याद किया और बताया कि उन्होंने एक डायलॉग को इतने अजीब तरीके से बोला था कि वहां मौजूद लोग हंस-हंसकर लोटपोट हो गए थे। यामी ने कहा, ''जब मैं स्कूल में थिएटर सीख रही थी, तब वहां एक नया टीचर आया था। थिएटर बस शुरू हो रहा था और हर छात्र को अपनी लाइन अलग अंदाज में बोलनी थी। मुझे याद है कि मेरा एक डायलॉग था, 'चुप रहो, छोटे शैतान, वरना मैं तुम्हारा गला काट दूंगी', ये लाइन मैंने इतनी अजीब तरीके से कही कि सभी लोग हंस-हंसकर लोटपोट हो गए।'' उन्होंने बताया, 'इसके बाद टीचर ने मजाकिया अंदाज में मुझसे कहा कि 'तुम तो किसी गली के आदमी की तरह बोल रही हो', मैंने कहा, 'मुझे नहीं पता मैं कैसे करूं, लेकिन एक बात अच्छी है कि कम से कम आपको मेरी लाइनें तो याद हैं।' यामी ने अभिनय और निर्देशक के बीच के संबंध पर भी बात की। उन्होंने कहा, ''निर्देशक कहानी की दिशा तय करता है और अभिनेता उनके विजन को स्क्रीन पर दिखाता है। एक ही किरदार को एक अभिनेता कई अलग-अलग तरीकों से निभा सकता है, और इनमें से कोई तरीका गलत या सही नहीं होता। लेकिन स्क्रीन पर जो दिखता है, वह हमेशा निर्देशक के विजन का हिस्सा होता है। यह कलाकार और निर्देशक के बीच की रचनात्मक साझेदारी को दिखाता है।'' उन्होंने कहा, ''अभिनय केवल डायलॉग बोलने तक सीमित नहीं है। यह किरदार की भावनाओं, मानसिकता और कहानी की दिशा को समझने का तरीका है। जब निर्देशक सही दिशा दिखाते हैं, तो अभिनेता को अपने अनुभव और प्रतिभा का इस्तेमाल कर कहानी को और प्रभावशाली बनाना होता है। निर्देशक और अभिनेता का तालमेल ही किसी फिल्म को सफल बनाता है।''

लद्दाख में टैक्स फ्री हुई 'धुरंधर', बॉक्स ऑफिस पर रणवीर सिंह की फिल्म का दबदबा

आदित्य धर के डायरेक्शन में बनीं धुरंधर सिनेमाघरों पर छाई हुई है. ये फिल्म 1100 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी है और बॉक्स ऑफिस पर अपना कब्जा करके बैठी है. फिल्म को लोगों का बहुत प्यार मिला है और अब इसके फैंस के लिए खुशखबरी है। धुरंधर को एक केंद्र शासित प्रदेश में टैक्स फ्री कर दिया गया है। धुरंधर को अब केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में टैक्स-फ्री कर दिया गया है. लद्दाख के लेफ्टिनेंट गवर्नर कविंदर गुप्ता ने इसकी घोषणा की है. लद्दाख की स्थानीय सरकार भी फिल्म की लोकप्रियता और सिनेमाई महत्व को मान्यता दे रही है। इस फिल्म में दिखाए गए खूबसूरत नजारे और एक्शन सीक्वेंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया। 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर अपार सफलता हासिल कर रही है, इसका निर्देशन आदित्य धर ने किया है। फिल्म में रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में हैं, जो हमजा नाम के एक रॉ एजेंट की भूमिका निभा रहे हैं। उनके साथ अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन जैसी प्रमुख हस्तियां नजर आ रही हैं। कहानी पाकिस्तान के अंडरवर्ल्ड, आतंकवाद और खतरनाक गैंगवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें आईबी एजेंट अजय सान्याल (आर. माधवन) की योजना के तहत हमजा दुश्मन के गढ़ में घुसपैठ करता है और आतंकवाद के नेटवर्क को ध्वस्त करने के मिशन को अंजाम देता है. फिल्म की कहानी और इसके किरदार दर्शकों को शुरुआत से ही बांधकर रखते हैं. हमजा का किरदार अपने मिशन के दौरान कई खतरों और चुनौतियों का सामना करता है। अक्षय खन्ना ने खतरनाक गैंगस्टर रहमान डकैत का किरदार निभाया है, जबकि संजय दत्त एसपी चौधरी असलम की भूमिका में हैं और अर्जुन रामपाल ने मेजर इकबाल का किरदार निभाया है। 'धुरंधर' फिल्म का एक बड़ा हिस्सा लद्दाख में शूट हुआ. इसने रिलीज के पहले ही हफ्तों में दर्शकों और फिल्म समीक्षकों की जमकर तारीफ बटोरी. फिल्म का दूसरा पार्ट मार्च 2026 में रिलीज होने वाला है, जिसको लेकर दर्शकों की उत्सुकता चरम पर है।

(साभार एजेंसी)

पाकिस्तानी टीम की कोचिंग छोड़ने पर गिलेस्पी ने चुप्पी तोड़ी

कहा- पीसीबी ने मुझे अपमानित किया; 9 महीने के अंदर छोड़ा था पद

करांची (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज और कोच जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के टेस्ट कोच पद से इस्तीफा देने को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने यह जिम्मेदारी 9 महीने से भी कम समय में छोड़ दी थी। गिलेस्पी का कहना है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के कुछ फैसलों और उनके साथ किए गए व्यवहार की वजह से उन्हें खुद को अपमानित महसूस हुआ। उन्होंने कहा कि इसी कारण उन्हें कोच पद छोड़ने का फैसला करना पड़ा। गिलेस्पी का कहना है कि उन्होंने टीम के खराब प्रदर्शन की वजह से नहीं, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के रवैये और अंदरूनी कामकाज के कारण पद छोड़ा। गिलेस्पी को अप्रैल 2024 में पाकिस्तान के टेस्ट क्रिकेट का हेड कोच नियुक्त किया गया था। उन्होंने दिसंबर 2024 में ही इस पद से इस्तीफा दे दिया था। शान मसूद के साथ जेसन गिलेस्पी (दाएं)। गिलेस्पी अप्रैल 2024 से दिसंबर 2024 तक पाकिस्तान के टेस्ट टीम के हेड कोच थे।

एसए20 में पहली बार सुपर ओवर

जॉबर्ग सुपर किंग्स की जीत, डरबन को 5 रन पर रोका

वांडरर्स (एजेंसी)। एसए20 लीग में गुरुवार, 1 जनवरी को वांडरर्स स्टेडियम में जॉबर्ग सुपर किंग्स और डरबन सुपर जायंट्स के बीच मुकाबले का फैसला सुपर ओवर से हुआ, जो टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार खेला गया। रोमांचक मुकाबले में जॉबर्ग ने सुपर ओवर में जीत दर्ज कर पॉइंट्स टेबल में टॉप पोजिशन हासिल कर ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जॉबर्ग सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 205 रन बनाए। कप्तान फाफ डु प्लेसिस (30 गेंद, 47 रन) और मैथ्यू डी विलियर्स (26 गेंद, 38 रन) ने 8.4 ओवर में 89 रन की ओपनिंग साझेदारी की। इसके बाद अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शुभम रंजन ने 31 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए। उन्होंने डोनोवन फरेरा के साथ 16 गेंदों में 49 रन की नाबाद साझेदारी की। फरेरा ने 10 गेंदों में 33 रन ठोके। दूसरी ओर, डरबन के लिए नूर अहमद और साइमन हार्मर की स्पिन जोड़ी ने 8 ओवर में 33 रन देकर 4 विकेट लिए। नूर अहमद ने 4 ओवर में 12 रन देकर 3 विकेट झटके।

डरबन सुपर जायंट्स की ओर से बड़ी साझेदारी नहीं हुई - 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए डरबन सुपर जायंट्स की शुरुआत ठीक रही, लेकिन बड़ी साझेदारी नहीं बन सकी। कप्तान एडन मार्करम (30 गेंद, 37 रन) और एवन जोन्स (17 गेंद, 43 रन) ने 24 गेंदों में 60 रन जोड़कर मुकाबला बराबरी की ओर ले गए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन

वीनस को वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली

मेलबर्न, एजेंसी। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन 45 साल की वीनस विलियम्स को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के मेन ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। 2021 के बाद यह मेलबर्न पार्क में उनकी पहली मौजूदगी होगी और 2023 के बाद यह पहली बार होगा जब वह यूनाइटेड स्टेट्स के बाहर खेलेंगी। वीनस ऑस्ट्रेलियन ओपन मेन ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला बनेंगी। इससे पहले जापान की किमिको डेट का रिकॉर्ड टूट जाएगा, जो 44 साल की थीं जब वह ऑस्ट्रेलियन ओपन 2015 के पहले राउंड में हार गई थीं। वीनस ने कहा, 'मैं ऑस्ट्रेलिया वापस आकर बहुत खुश हूं और ऑस्ट्रेलियन गर्मियों में मुकाबला करने का इंतजार कर रही हूं। वहां मेरी बहुत सारी शानदार यादें हैं, और मैं उस जगह पर लौटने के मौके के लिए शुक्रगुजार हूं जो मेरे करियर के लिए बहुत मायने रखती है। 16 महीने के ब्रेक के बाद, वीनस पिछले जुलाई में टेनिस में लौटीं और 2025 में तीन टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। उन्होंने मुबाडाला सिटी डीसी ओपन में पहले राउंड में हमवतन पेटन स्टर्न्स को 6-3, 6-4 से हराया, इससे पहले वह मैग्डेलेना फ्रेच से हार गई।

कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड से हारी

अगस्त में, विलियम्स सिनसिनाटी के पहले राउंड में स्पेन की जेसिका बौज़ास-मनेरो से 4-6, 4-6 से हार गईं और यूएस ओपन के पहले राउंड में 11वीं सीडेड कैरोलिन मुचोवा को तीन सेट तक ले गईं। डबल्स में, लेयला फर्नांडीज के साथ खेलते हुए, विलियम्स क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं, जहां वे फाइनलिस्ट कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड से हार गईं।

शोर्ड मारिन को भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच बनाया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। शोर्ड मारिन को भारतीय महिला हॉकी टीम का नया कोच बनाया गया है। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। टोक्यो ओलंपिक में शोर्ड मारिन की कोचिंग में ही भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने प्रदर्शन से दुनियाभर के खेल प्रेमियों का दिल जीता था और चौथे स्थान पर रही थी। शोर्ड मारिन ने बतौर कोच नियुक्ति के बाद कहा, 'वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। 4.5 साल बाद, मैं टीम के विकास में मदद करने और खिलाड़ियों को वैश्विक स्टेज पर अपनी पूरी क्षमता के साथ खेलने का हौसला और मौका देने के सपने के साथ लौटा हूं।' मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच रह चुके हैं। हॉलैंड के शोर्ड मारिन 14 जनवरी को भारत आएंगे। नेशनल कोचिंग कैंप 19 जनवरी को साई, बेंगलुरु में शुरू होने वाला है। हेड कोच के तौर पर मारिन की पहली बड़ी चुनौती हैदराबाद में होने वाली हॉकी महिला वर्ल्ड कप क्वालिफायर होगा, जो 8-14 मार्च, 2026 तक होने वाला है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, 'हम शोर्ड मारिन और पूरे सपोर्ट स्टाफ का इंडियन हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हम खेल मंत्रालय और साई का शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने नियुक्ति में तेजी लाई ताकि आने वाले विश्व कप क्वालिफायर के लिए टीम की तैयारियों में कोई रुकावट न आए। उन्होंने आगे कहा, 'टीम की फिटनेस पर जोर दिया गया है, जो टोक्यो में इंडियन विमेंस के ऐतिहासिक प्रदर्शन का एक मुख्य कारण था। हम एक अच्छे समय की उम्मीद करते हैं। शोर्ड मारिन को एनालिटिकल कोच के तौर पर मटियास विला मदद करेंगे। डॉ. वेन लोम्बार्ड भी साइंटिफिक एडवाइजर और एथलेटिक परफॉर्मेंस के हेड के तौर पर भारतीय महिला कोचिंग सेटअप में लौट रहे हैं। उन्हें साइंटिफिक एडवाइजर की भूमिका में रोडेट यिला और सियारा यिला का सपोर्ट मिलेगा। मटियास विला अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर हैं। 1997 में डेब्यू करने वाले इस खिलाड़ी ने 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 एथेंस ओलंपिक में हिस्सा लिया था और लगभग दो दशकों से कोचिंग से जुड़े हुए हैं।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए यह हो सकती है भारत की वनडे टीम

कप्तान शुभमन वापसी करेंगे, श्रेयस अनफिट; क्या हार्दिक और बुमराह को फिर मिलेगा आराम?

नईदिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम 3 या 4 जनवरी को अनाउंस होनी है। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज इसमें खेलते नजर आएंगे, लेकिन हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। इंजरी के कारण साउथ अफ्रीका से वनडे नहीं खेल सके कप्तान शुभमन गिल भी वापसी करने वाले हैं। हालांकि, उप कप्तान श्रेयस अय्यर अब भी अनफिट हैं और उनका न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलना भी मुश्किल ही लग रहा है।

शुभमन खेलेंगे, श्रेयस की वापसी मुश्किल -कप्तान शुभमन गिल पिछले साल नवंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज नहीं खेल सके थे। वे टेस्ट सीरीज में इंजर्ड हो गए थे, लेकिन उन्होंने टी-20 सीरीज में वापसी कर ली थी। ऐसे में वे न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में वापसी करने के साथ टीम की कमान भी संभालते नजर आएंगे। इसी साल सितंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे टीम के उप कप्तान श्रेयस अय्यर भी इंजर्ड हो गए थे। उन्हें कंधे में चोट लगी थी, इस कारण वे पिछले 3 महीने से क्रिकेट से दूर हैं। वे फिलहाल बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्हें अब तक फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं मिला है, इसलिए वे न्यूजीलैंड सीरीज से भी बाहर रहेंगे।

कौन होगा बैकअप ओपनर?

शुभमन की वापसी से टॉप-3 पोजिशन फिक्स हो चुकी है। ऐसे में साउथ अफ्रीका के खिलाफ रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग करने वाले लेफ्ट हैंडर यशस्वी जायसवाल को बाहर किया जा सकता है। प्लेइंग-11 के कॉम्बिनेशन को देखते हुए उन्हें स्क्वॉड से भी बाहर कर सकते हैं। यशस्वी की जगह विकेटकीपर बैटर ईशान किशन को शामिल किया जा सकता है। जिन्हें घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद टी-20 वर्ल्ड कप की टीम में भी जगह मिल गई। ईशान मिडिल ऑर्डर में भी बैटिंग कर लेते हैं और विकेटकीपर केएल राहुल के लिए बेहतरीन बैकअप ऑप्शन साबित हो सकते हैं।

नंबर-4 पर कौन बैटिंग करेगा?

श्रेयस की इंजरी के कारण टीम इंडिया में नंबर-4 की पोजिशन फिक्स नहीं है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऋतुराज गायकवाड ने इस पोजिशन पर बैटिंग करते हुए एक शतक लगाया था। ऐसे में उन्हें फिर एक बार इस पोजिशन पर मौका दिया जा सकता है।

एशेज- सिडनी टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम का ऐलान

12 सदस्यीय टीम में बशीर-पॉट्स को मौका, एटकिंसन चोट की वजह से बाहर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट मैच के लिए शुक्रवार को 12 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। यह मुकाबला 4 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया सीरीज में 3-1 से आगे है। इंग्लैंड ने मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट की टीम से दो बदलाव किए हैं। ऑफ स्पिनर शोएब बशीर और तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को टीम में शामिल किया गया है। 22 साल के शोएब बशीर ने 2024 में भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। अब तक वह 19 टेस्ट मैचों में 68 विकेट ले चुके हैं। बशीर ने टेस्ट करियर में दो बार चार विकेट और चार बार पांच विकेट हॉल भी लिए हैं। मौजूदा एशेज सीरीज में यह पहली बार है जब इंग्लैंड ने किसी स्पेशलिस्ट स्पिनर को टीम में जगह दी है। इससे पहले ऑलराउंडर विल जैक्स ही स्पिन ऑप्शन थे। वहीं 27 साल के मैथ्यू पॉट्स ने जून 2022 में लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। अब तक उन्होंने 10 टेस्ट मैचों में 36 विकेट लिए हैं। पॉट्स के नाम भी दो चार विकेट हॉल दर्ज हैं।

ख्वाजा का आखिरी इंटरनेशनल मैच

इस बीच, पांचवें टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ओपनर उस्मान ख्वाजा ने भी पुष्टि की है कि वह सिडनी टेस्ट के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। 39 साल ख्वाजा ने अपने टेस्ट करियर में 87 मैचों में 6206 रन बनाए हैं, जिसमें 16 शतक और 28 अर्धशतक शामिल हैं।

अश्विन बोले- कोहली-रोहित के बाद वनडे और कमजोर हो जाएगा

● टी-20 वर्ल्डकप के शेड्यूल पर भी सवाल उठाया

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन का कहना है कि 2027 वर्ल्ड कप के बाद वनडे पर संकट आ सकता है। क्योंकि, तब विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे स्टार संन्यास ले लेंगे। उन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप के शेड्यूल पर भी सवाल उठाया है। 39 साल के अश्विन ने गुरुवार को कहा- 2027 वर्ल्ड कप के बाद वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर मैं चिंतित हूं। मैं विजय हजारे ट्रॉफी देख रहा हूं, लेकिन मैंने जैसे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी देखी, उसी तरह इसे देख पाना मुश्किल है। विराट-रोहित की विजय हजारे ट्रॉफी में भागीदारी चर्चा में रही है। अश्विन का मानना है कि बढ़ती टी20 लीग और टेस्ट क्रिकेट की अपनी अलग अहमियत से 50 ओवर के फॉर्मेट के लिए जगह लगातार कम होती जा रही है। आज-कल हर दौरे में वनडे मैचों की संख्या कम हो रही है, जबकि टी-20 मैच ज्यादा खेले जा रहे हैं। उदाहरण के लिए न्यूजीलैंड के भारत दौरे को ही देख लीजिए...इसमें 3 वनडे और 5 टी-20 मैच होने हैं।

उन्होंने कहा-हमें यह समझना होगा कि फैंस क्या देखना चाहते हैं। मुझे लगता है टेस्ट क्रिकेट के लिए अब भी जगह है,

लेकिन वनडे क्रिकेट के लिए सच में जगह नहीं बची है। इंटरनेशनल क्रिकेट में 765 विकेट लेने वाले अश्विन का कहना है कि विराट और रोहित के संन्यास के बाद वनडे प्रारूप और भी कमजोर हो जाएगा। अगर आप वनडे को रिलेवेंट बनाना चाहते हैं तो ये टी20 लीग खेलिए और 4 साल में सिर्फ एक बार वनडे वर्ल्ड कप कराइए। जब लोग इसे देखने आएंगे तो उनके अंदर उत्साह और उम्मीद होगी। मुझे लगता है कि वनडे क्रिकेट धीरे-धीरे खत्म होने की ओर बढ़ रहा है।

विराट-रोहित के कारण विजय हजारे देखने लगे लोग -रोहित-विराट जब विजय हजारे ट्रॉफी खेलने आए तो लोगों ने इसे देखना शुरू किया। हमें पता है कि खेल हमेशा खिलाड़ियों से बड़ा होता है, लेकिन कई बार खेल की रिलेवेंसी के लिए बड़े प्लेयर्स की वापसी की जरूरत होती है। विजय हजारे ट्रॉफी एक घरेलू वनडे टूर्नामेंट है, जिसे ज्यादा लोग नहीं देखते। लेकिन विराट और रोहित के खेलने की वजह से लोग इसे देखने पहुंचे। फिर सवाल यह है कि जब वे वनडे खेलना बंद कर देंगे, तब क्या होगा? धोनी जैसे प्लेयर नहीं, वैसी बैटिंग की जरूरत भी नहीं इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि एक समय 50 ओवरों का क्रिकेट एक शानदार फॉर्मेट हुआ करता था। इससे एमएस धोनी जैसे खिलाड़ी सामने आए। जो पारी को संभालना जानते थे।

नीदरलैंड के सोर्ड मारिन बने भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीदरलैंड के सोर्ड मारिन को शुक्रवार को फिर से भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच नियुक्त किया गया। वह दूसरी बार यह पद संभालेंगे। इससे पहले उनके कोच रहते हुए भारतीय महिला टीम तोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर

रही थी। नीदरलैंड के पूर्व हॉकी खिलाड़ी 51 वर्षीय मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय महिला टीम से जुड़े रहे। उनकी टीम में मटियास विला भी शामिल होंगे जिन्हें विश्लेषणात्मक कोच नियुक्त किया गया है। अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर विला ने 1997 में अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था। उन्होंने 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 में एथेंस ओलंपिक में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। वह दो दशकों से अधिक समय से कोचिंग से जुड़े हुए हैं। भारतीय हॉकी टीम में वेन लोम्बार्ड की भी वापसी हो रही है, जो वैज्ञानिक सलाहकार और खेल प्रदर्शन प्रमुख के रूप में कार्य करेंगे। उन्हें इसमें रोडेट इला और सियारा इला का सहयोग मिलेगा जिन्हें वैज्ञानिक सलाहकार नियुक्त किया गया है। मारिन ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा, 'भारत वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं साढ़े चार साल बाद नयी ऊर्जा और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ इस पद पर लौटा हूं ताकि टीम को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकूं और खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में मदद कर सकूं। मारिन के पिछले कार्यकाल के दौरान भारत विश्व रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हुआ था। मुख्य कोच के रूप में मारिन की पहली बड़ी चुनौती आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होने वाला महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट होगा। मारिन 14 जनवरी को भारत पहुंचेंगे, जबकि राष्ट्रीय कोचिंग शिविर भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के बेंगलुरु स्थित परिसर में 19 जनवरी को शुरू होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'हम सोर्ड मारिन और पूरे सहायक स्टाफ का भारतीय हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हम खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने आगामी विश्व कप क्वालीफायर को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा किया। टीम की फिटनेस पर विशेष जोर दिया गया है।

संतोष ट्रॉफी 21 जनवरी से होगी शुरु, 12 टीमों के बीच होगा मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। 79वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप संतोष ट्रॉफी 2025-26 असम के ढकुआखाना और सिलापाथर देश भर की 12 फुटबॉल टीमों के बीच 21 जनवरी से 8 फरवरी तक खेली जाएगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने इस महीने शुरु होने वाली संतोष ट्रॉफी के फाइनल ड्रा की घोषणा की है। इस चैंपियनशिप में शामिल 12 टीमों को ए और बी ग्रुप में बांटा गया है। ए ग्रुप में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तराखंड, नागालैंड और राजस्थान है। जबकि ग्रुप बी में केरल, सर्विसेज, पंजाब, ओडिशा, रेलवे और मेघालय है। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले ढकुआखाना और सिलापाथर में खेले जाएंगे। इस चैंपियनशिप की शुरुआत 1941 में हुई थी और पश्चिम बंगाल ने संतोष ट्रॉफी का रिकॉर्ड 32 बार खिताब जीता है।

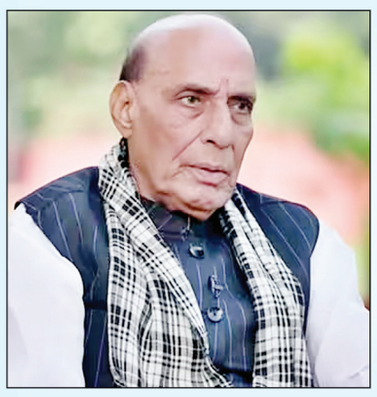

देश में व्हाइट-कॉलर टेरेरिज्म जैसी चिंताजनक प्रवृतियां सामने आ रही हैं

राजनाथ सिंह

उदयपुर,(भाषा)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि देश में व्हाइट-कॉलर टेरेरिज्म जैसी चिंताजनक प्रवृतियां सामने आ रही हैं जहां अत्यंत शिक्षित लोग समाज और राष्ट्र के विरुद्ध कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में बहुत शिक्षित लोग भी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाए जाते हैं। सिंह ने दिल्ली में पिछले दिनों हुई घटना का जिक्र करते हुए यह बात कही जहां बम विस्फोट करने वाला डॉक्टर था। वह यहां एक विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस को संबोधित कर रहे थे। सिंह ने कहा, धर्म और नैतिकता से विहीन शिक्षा समाज के लिए उपयोगी नहीं होती है तथा कभी-कभी यह घातक भी सिद्ध हो जाती है। शायद यही कारण है और बहुत बड़ी विडंबना है कि बहुत शिक्षित लोग भी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाए जाते हैं। उन्होंने कहा, आज व्हाइट कॉलर टेररिज्म जैसी चिंताजनक प्रवृतियां देशवासियों के सामने आ रही हैं, जहां अत्यंत शिक्षित लोग समाज और राष्ट्र के विरुद्ध कार्य करते हैं। उन्होंने कहा, हाल में दिल्ली में बम विस्फोट करने वाला कौन था? डॉक्टर था। वरना जो डॉक्टर पर्चे पर हमेशा आरएक्स लिखकर प्रिस्क्रिप्शन लिखते हैं उन डॉक्टरों के हाथ में आरडीएक्स हो? इसलिए आवश्यक है कि ज्ञान के साथ साथ संस्कार भी होना चाहिए। चरित्र भी होना चाहिए। केंद्रीय मंत्री का कहना था कि शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण है। चरित्र को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल पेशेवर सफलता नहीं है बल्कि सदाचार, नैतिकता और एक मानवीय व्यक्तित्व का निर्माण भी है।

कोहरे और कम दृश्यता के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर 66 उड़ानें रद्द

मुंबई, (भाषा)। दिल्ली हवाई अड्डे पर कोहरे और कम दृश्यता के कारण शुक्रवार को कम से कम 66 उड़ानें रद्द कर दी गई। यहां एक सूत्र के अनुसार, कोहरे और कम दृश्यता की स्थिति के कारण कई विमानन कंपनियों ने 34 प्रस्थान और 32 आगमन उड़ानें रद्द कर दीं। विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस सर्दी में 10 दिसंबर से 10 फरवरी तक की अवधि को आधिकारिक कोहरे की अवधि के रूप में घोषित किया है।

मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में 27 बम निष्क्रिय किए गए

इंफाल, (भाषा)। मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में सुरक्षा बलों ने 27 बम बरामद कर उन्हें निष्क्रिय कर दिया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों के एक अभियान के दौरान बृहस्पतिवार को ए देसी बम बरामद किए गए, जिन्हें बाद में मोंगल्हम गांव के पास एक स्थान पर सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया गया। उन्होंने बताया कि एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने बुधवार को इसी जिले के लैंगडम नुंगजेंगबी इलाके से तीन हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए। मणिपुर में दो साल पहले भड़की जातीय हिंसा के बाद से सुरक्षा बल लगातार तलाशी अभियान संचालित कर रहे हैं। मई 2023 से मेइती और कुकी-जो समूहों के बीच जारी इस जातीय संघर्ष में अब तक 260 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग बेघर हुए हैं। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद केंद्र सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था। राज्य विधानसभा, जिसका कार्यकाल 2027 तक है, उसे फिलहाल निलंबित रखा गया है।

हरियाणा का लिंगानुपात 2025 में

बढ़कर 923 हुआ

पिछले पांच वर्षों में सर्वाधिक

चंडीगढ़, (भाषा)। हरियाणा में लिंग अनुपात में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जो 2025 में 923 तक पहुंच गया। यह 2024 के मुकाबले 13 अंकों की वृद्धि दर्शाता है। प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण और अवैध गर्भपात को रोकने के लिए उठाए गए कदमों को इस उपलब्धि का कारण बताया जा रहा है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि हरियाणा में लिंग अनुपात (एसआरबी) 2025 में 923 दर्ज किया गया, जो पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक है। वर्ष 2024 में यह 910 था। आंकड़ों के अनुसार, 2025 में राज्य में 5,19,691 बच्चों का जन्म हुआ - जिनमें 2,70,281 लड़के और 2,49,410 लड़कियां थीं, जबकि 2024 में 5,16,402 बच्चों का जन्म हुआ जिनमें 2,46,048 लड़कियां थीं। अधिकारियों ने एसआरबी में सुधार का श्रेय राज्य सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों को दिया, जिनमें हरियाणा में लिंग-चयनित गर्भपात और गर्भावस्था समाप्ति (एमटीपी) किट की अवैध बिक्री के खिलाफ कार्रवाई शामिल है। आंकड़ों के अनुसार, 2025 में लिंग अनुपात पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक था। हरियाणा का लिंग अनुपात 2019 में 923 था, जो 2020 में मामूली रूप से घटकर 922 हो गया तथा फिर 2021 में और घटकर 914 रह गया। वर्ष 2022 में यह 917 था और 2023 में 916 था। राज्य का लिंग अनुपात 2014 में 871 था, जो बढ़कर 2015 में 876 हो गया। 2016 में इसमें 24 अंकों की वृद्धि हुई और यह 900 तक पहुंच गया, जो अब तक की सबसे अधिक वृद्धि थी। 2017 में लिंग अनुपात और बढ़कर 914 हो गया, जो दूसरी सबसे बड़ी वृद्धि थी, तथा 2018 में इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ। वर्ष 2025 के आंकड़ों के अनुसार, पंचकूला में प्रति।,000 पुरुषों पर 971 महिलाओं के साथ राज्य का उच्चतम एसआरबी दर्ज किया गया, जो 2024 में दर्ज किए गए 915 के मुकाबले 56 अंकों की वृद्धि दर्शाता है। जिन जिलों में एसआरबी की संख्या 950 से अधिक रही, उनमें फतेहाबाद (961) और पानीपत (951) शामिल हैं। इसके साथ ही जिन जिलों में एसआरबी राज्य औसत से ऊपर रहा, उनमें अंबाला (926), भिवानी (926), हिसार (926), कैथल (924), करनाल (944), कुरूक्षेत्र (927), मेवात (935), सिरसा (937) और यमुनानगर (943) शामिल हैं। हालांकि, गुरुग्राम में एसआरबी में केवल दो अंकों की वृद्धि दर्ज की गई और यह 901 पर पहुंच गया, जबकि सोनीपत में यह सात अंकों की गिरावट के साथ 894 पर और जींद में एक अंक की गिरावट के साथ 918 पर रह गया। चरखी दादरी, फरीदाबाद, कैथल और पानीपत में भी 2025 में लिंगानुपात में सुधार देखा गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बृहस्पतिवार को कहा कि जब भाजपा ने 2014 में सरकार बनाई थी, तब हरियाणा का लिंग अनुपात 871 था, जो उस समय देश में सबसे कम में से एक था। सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2015 में पानीपत से राष्ट्रव्यापी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू किए जाने के बाद राज्य सरकार ने इस दिशा में ठोस कदम उठाए।

मध्य प्रदेश कुप्रशासन का केंद्र बना

प्रधानमंत्री हमेशा की तरह खामोश हैं: राहुल

नई दिल्ली,(भाषा)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित पानी के कारण कई लोगों की मौत को लेकर शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश कुप्राशन का केंद्र बन चुका है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीबों की मौत पर हमेशा की तरह खामोश हैं।उन्होंने यह दावा भी किया कि जीवन के अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन जिम्मेदार है।राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, इंदौर में पानी नहीं, ज़हर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थीअ सरकार ने घमंड परोस दिया। उन्होंने सवाल किया कि लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की तो फिर सुनवाई क्यों नहीं हुई?लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, सीवर पीने के पानी में कैसे मिला? समय रहते आपूर्ति बंद क्यों नहीं हुई? जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी? उन्होंने कहा, ए फोकट सवाल नहीं, एक जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। और इस अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन, लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह जिम्मेदार है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, मध्यप्रदेश अब कुप्रशासन का केंद्र बन चुका है - कहीं खांसी की सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे, और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें। और जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं।

इंदौर में हुई मौतों पर भी प्रधानमंत्री हमेशा की तरह मौन हैं: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इंदौर में दूषित पानी पीने के कारण कई लोगों की मौत की घटना को लेकर शुक्रवार को दावा किया कि जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान का ढिंढोरा पीटने वाले नरेन्द्र मोदी हमेशा की तरह इस मामले पर भी मौन हैं। उन्होंने आरोप भी लगाया जल जीवन मिशन समेत, हर योजना में भ्रष्टाचार और धांधली हो रही है। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान का ढिंढोरा पीटने वाले नरेन्द्र मोदी जी, हमेशा की तरह इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों को लेकर मौन हैं।

दिल्ली हवाई अड्डे पर करीब 21 करोड़ रुपए की कोकीन जब्त, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, (भाषा)। सीमा शुल्क विभाग (कस्टम) ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर दो यात्रियों के पास से लगभग 21 करोड़ रुपए मूल्य की कोकीन जब्त की, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों को 31 दिसंबर को बैंकॉक (थाईलैंड) से आने के बाद रोका गया। उन्होंने बताया गुजरात के रहने वाले दोनों आरोपी अलग-अलग उड़ानों से दिल्ली पहुंचे थे। सीमा शुल्क विभाग ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया, काले रंग के दो ट्रॉली बैग की जांच के दौरान अधिकारियों को उनके भीतर छिपाकर रखे गए पॉलीथीन बैग मिले, जिनमें सफेद रंग का पदार्थ बरामद हुआ, जिसके नशीला पदार्थ होने का संदेह था। विभाग ने बताया कि जब्त किए गए पदार्थ का कुल वजन 2,095.5 ग्राम है और प्रारंभिक जांच में इसके कोकीन होने के संकेत मिले हैं। विभाग के मुताबिक, बरामद नशीले पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 20.95 करोड़ रुपए बताई गई है। उसने बताया कि दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

वैवाहिक विवाद में पति का वित्तीय प्रभुत्व क्रूरता नहीं : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली, (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि बिगड़े हुए वैवाहिक संबंध में पति द्वारा अलग रह रही अपनी पत्नी पर वित्तीय प्रभुत्व जमाना क्रूरता का कृत्य नहीं है। शीर्ष अदालत ने साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि किसी आपराधिक मुकदमे को बदला लेने और व्यक्तिगत प्रतिशोध के माध्यम के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने यह टिप्पणी एक व्यक्ति से अलग रह रही उसकी पत्नी द्वारा अपने पति के खिलाफ क्रूरता और दहेज उत्पीडन का आरोप लगाते हुए दर्ज कराए गए एक आपराधिक मामले को रद्द करते हुए की। तेलंगाना उच्च न्यायालय के उस फैसले को रद्द करते हुए, जिसमें प्राथमिकी रद्द करने से इनकार कर दिया गया था, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, आरोपी-अपीलकर्ता का मौद्रिक और वित्तीय दबदबा, जैसा कि प्रतिवादी-याचिकाकर्ता संख्या दो द्वारा आरोप लगाया गया है, किसी क्रूरता के मामले के रूप में नहीं देखा जा सकता, विशेषकर जब उससे कोई ठोस मानसिक या शारीरिक क्षति उत्पन्न नहीं हुई हो।

किश्तवाड़ में सिलेंडर में विस्फोट से लगी आग में पांच मकान खाक, दो लोग घायल

जम्मू, (भाषा)। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के एक सुदूर गांव में एलपीजी सिलेंडर में विस्फोट के कारण लगी आग में पांच मकान जलकर खाक हो गए, जबकि आग बुझाने के प्रयासों में दो लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार देर रात थाचना गांव की है जहां पहले एक मकान में आग लगी और उसने तेजी से अन्य घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन, पुलिस, सेना और दमकल विभाग की टीमों ने स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाने के लिए संयुक्त अभियान चलाया।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने कार निकोबार वायुसेना अड्डे पर उन्नत हवाई पट्टी का उद्घाटन किया

श्री विजयपुरम, (भाषा)। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारतीय वायु सेना के कार निकोबार वायुसेना अड्डे पर पुनःनिर्मित एवं उन्नत हवाई पट्टी का उद्घाटन किया। सीडीएस सुबह करीब साढ़े 11 बजे कार निकोबार द्वीप पहुंचे, जहां अंडमान और निकोबार कमान (एएनसी) के कमांडर-इन-चीफ वाइस एडमिरल अजय कोचर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। अधिकारी ने बताया कि कार निकोबार वायुसेना अड्डे पर हवाई पट्टी के उन्नयन का कार्य पूरा कर लिया गया है। श्री विजयपुरम से लगभग 535 किलोमीटर दूर स्थित निकोबार जिले का कार निकोबार द्वीप 2004 की सुनामी के दौरान सबसे अधिक प्रभावित हुआ था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, उन्नत हवाई पट्टी पूर्वी मोर्चे को और अधिक मजबूती देगी, क्योंकि इससे मलक्का जलडमरूमध्य पर सीधी रणनीतिक निगरानी की जा सकेगी। मलक्का जलडमरूमध्य अंतरराष्ट्रीय व्यापार और जहाजों के माध्यम से ऊर्जा से जुड़ी आपूर्ति के लिए एक प्रमुख वैश्विक समुद्री मार्ग है। इससे भारतीय वायु सेना की त्वरित हवाई अभियान शुरू करने की क्षमता में भी वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि विमानों की सुचारू आवाजाही के लिए हवाई पट्टी का विस्तार किया गया है और यह सुविधा भारतीय वायु सेना को लॉन्ग रेंज फायरिंग अभ्यासों में भी मदद करेगी।

» इससे भारतीय वायु सेना की त्वरित हवाई अभियान शुरू करने की क्षमता में भी वृद्धि होगी

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की भारत की कोशिशों को नई ऊंचाई मिली है : डीआरडीओ अध्यक्ष कामत

नई दिल्ली, (भाषा)। वर्ष 2025 में भारतीय उद्योगों के माध्यम से निर्मित करीब 1.30 लाख करोड़ रुपए मूल्य की, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित कई रक्षा प्रणालियों को शामिल करने के लिए 22 आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की गई हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी कामत ने कहा कि संस्थान के प्रयासों ने आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना के अंतर्गत रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में अभूतपूर्व प्रगति की है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, जिन उल्लेखनीय प्रणालियों के लिए एओएन प्रदान की गई है उनमें एकीकृत वायु रक्षा हथियार प्रणाली (आईएडीडब्ल्यूएस), पारंपरिक बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली, त्वरित प्रतिक्रिया सतह से वायु में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली अनंत शस्त्र , लंबी दूरी की वायु से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल (एलआरएएसएसीएम), एकीकृत ड्रोन पहचान और अवरोधन प्रणाली (आईडीडीआईएस) एमके 2 तथा दृश्य सीमा से परे हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल (बीवीआरएएएम) एस्ट्रा एमके-2 शामिल हैं।

आवारा कुत्तों का मुद्दा : सरकार ने आप पर लगाया गलत सूचना फैलाने का आरोप

नई दिल्ली,(भाषा)। दिल्ली पुलिस ने शिक्षा निदेशालय की उस शिकायत पर शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की, जिसमें आवारा कुत्तों से संबंधित मामलों के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति के संबंध में एक परिपत्र को लेकर सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया गया था। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि सरकार ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा इस मुद्दे पर फैलाई जा रही गलत सूचनाओं के खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला किया है। इसके बाद शिक्षा निदेशालय ने मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। इस संबंध में बीएनएस की धारा 353 (1) (किसी भी बयान, झूठी सूचना, अफवाह या रिपोर्ट को बनाना, प्रकाशित करना या प्रसारित करना) और धारा 192 (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाना) के तहत प्रथमिकी दर्ज की गई है। सूद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि केजरीवाल ने पहले सोशल मीडिया पर एक संदेश पोस्ट किया था जिसमें दावा किया गया था कि दिल्ली के शिक्षकों को बच्चों को पढ़ाने के बजाय आवारा कुत्तों की गिनती करने के लिए कहा जा रहा है। उन्होंने कहा, इस पोस्ट के संबंध में बृहस्पतिवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। सूद ने आम आदमी पार्टी के नेताओं पर जानबूझकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पार्टी खुद को पीड़ित के रूप में पेश करना शुरू कर देगी। सिविल लाइंस पुलिस थाने में दर्ज शिकायत में कहा गया है कि एक कथित निर्देश को लेकर सोशल मीडिया मंच पर अज्ञाताशरारती व्यक्तियों द्वारा झूठी, भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण जानकारी फैलाई जा रही है कि स्कूल शिक्षकों को आवारा कुत्तों की गिनती करने का निर्देश दिया गया है। शिकायत में कहा गया, यह देखा गया है कि दुर्भावनापूर्ण इरादे से झूठी और मनगढ़ंत खबरें फैलाने के जानबूझकर प्रयास किए गए हैं, जिससे शिक्षकों और स्कूल कर्मचारियों के बीच भ्रम और दहशत पैदा हुई है, शिक्षा विभाग की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा और सार्वजनिक आदेश तथा सरकारी संस्थानों में विश्वास में बाधा उत्पन्न हुई है। शिक्षा विभाग ने कहा कि उसके परिपत्र में आवारा कुत्तों की गिनती का कोई जिक्र नहीं है। शिकायत में कहा गया, इस संबंध में शिक्षा विभाग ने आधिकारिक तौर पर स्पष्ट किया है कि शिक्षा निदेशालय द्वारा इस तरह के कोई निर्देश कभी जारी नहीं किए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

पलामू में सड़क हादसे में दो लोगों की मौत, दो घायल

मेदिनीनगर (झारखंड), (भाषा)। झारखंड के पलामू जिले में एक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।पुलिस के मुताबिक, यह दुर्घटना बृहस्पतिवार को दुमरी गांव के पास हुई। एक मोटरसाइकिल पर चार लोग सवार थे, जो अचानक फिसल गई। उन्होंने बताया कि मरने वाले दो लोगों ने हेलमेट नहीं पहना था।लेस्लीगंज के उपमंडलीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) मनोज कुमार झा ने कहा, इस हादसे में दो लोगों की मौत हुई है और दो अन्य घायल हुए हैं। चारों को तुरंत इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दो को मृत घोषित कर दिया। एसडीपीओ ने बताया कि मृतकों की पहचान चतरा जिले के कसमार गांव निवासी मनोज तुरी (26) और प्रेम भारती (25) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि अन्य दो घायल एमएमसीएच में उपचाराधीन हैं और उनकी हालत स्थिर है।

ओडिशा में एसयूवी की टक्कर से स्कूटर सवार नाबालिग की मौत, दो घायल

भुवनेश्वर,(भाषा)। ओडिशा के पुरी शहर में शुक्रवार को एक एसयूवी ने स्कूटर को टक्कर मार दी जिससे उस पर सवार एक नाबालिग लड़के की मौत हो गई और दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान पुरी के श्रेयांश डे (05) के रूप में हुई है जबकि घायलों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स पर कहा कि श्रेयांश के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने उसके परिवार को चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। यह मुआवजा राशि मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) से दी जाएगी।पुलिस के अनुसार, एक एसयूवी ने स्कूटर को पीछे से टक्कर मारी और जगन्नाथ मंदिर की ओर जाने वाली सडक़ पर उसे कुछ दूर तक घसीटा।घटना के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है और घटना की जांच की जा रही है।

पालघर में बुलेट ट्रेन परियोजना की सुरंग की खुदाई का कार्य पूरा

नई दिल्ली,(भाषा)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित रेल भवन से ही ऑनलाइन माध्यम से महाराष्ट्र के पालघर जिले में बुलेट ट्रेन परियोजना की 1.5 किलोमीटर लंबी सुरंग की खुदाई का कार्य पूरा होते देखा। रेल मंत्रालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, यह 1.5 किलोमीटर लंबी पहाड़ी सुरंग पालघर जिले की सबसे लंबी सुरंगों में शामिल है और यह विरार तथा बोइसर बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच स्थित है। महाराष्ट्र में यह दूसरी सुरंग है जिसकी खुदाई का कार्य पूरा हो चुका है। इससे पहले ठाणे और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) के बीच पांच किलोमीटर लंबी भूमिगत सुरंग का कार्य सितंबर 2025 में पूरा किया गया था। रेल मंत्रालय के अनुसार रेल मंत्री ने कहा, आज बुलेट ट्रेन परियोजना में बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल हुई। माउंटेन टनल-पांच की खदाई पूरी होना काफी बड़ी उपलब्धि है। बुलेट ट्रेन परियोजना में कुल सात पहाड़ी सुरंग हैं और एक सुरंग समुद्र के नीचे है। उन्होंने कहा, इस परियोजना में कुल 12 स्टेशन हैं। महाराष्ट्र में मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर और गुजरात में वापी, बिलीमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती। साबरमती और मुंबई टर्मिनल स्टेशन हैं। मुंबई का स्टेशन बीकेसी है और तीन डिपो बने हैं। मुंबई-अहमदाबाद के बीच 508 किलोमीटर लंबी बुलेट ट्रेन परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र और दादरा एवं नगर हवेली से होकर गुजरती है। बुलेट ट्रेनों के संचालन के लिए तैयार की जा रही यह भारत की एकमात्र रेल परियोजना है जहां ट्रेनें 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी और पूरी दूरी दो घंटे 17 मिनट में तय करेंगी। यह परियोजना जापान सरकार की तकनीकी और वित्तीय सहायता से क्रियान्वित की जा रही है।

आज बुलेट ट्रेन परियोजना में बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल हुई

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886